शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अवसर
1

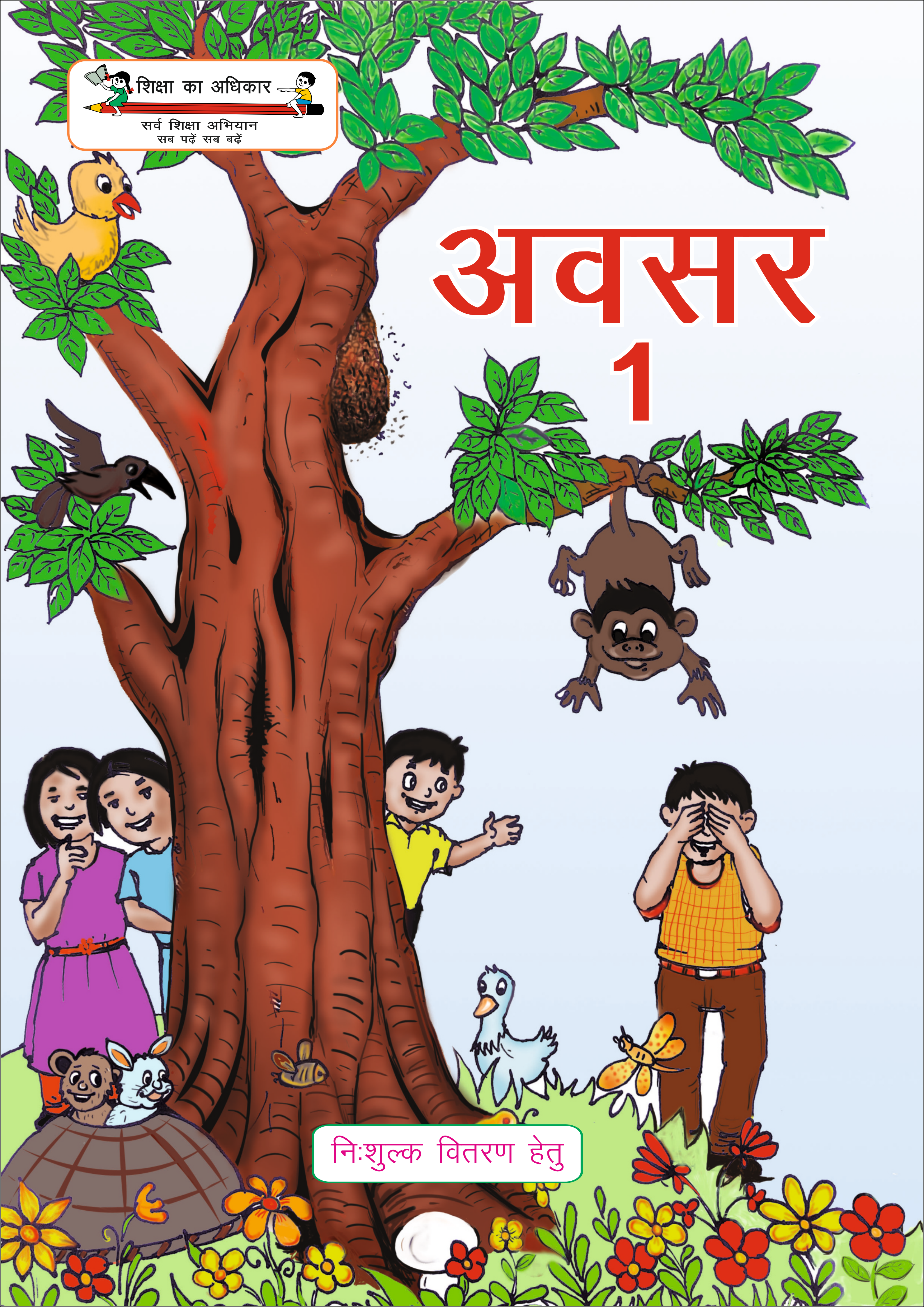

निःशुल्क वितरण हेतु

शिक्षकों से बातचीत

शिक्षा प्राप्त करना सभी का संवैधानिक अधिकार है। यह अपेक्षा रहती है कि सभी बच्चे औपचारिक रूप से शिक्षित होने के लिए विद्यालय में नामांकित हों और शिक्षा ग्रहण करें। भिन्न विशेषता वाले बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भौतिक संसाधन, पाठ्यक्रम तथा शिक्षण विधियों में अपेक्षित बदलाव करते हुए समावेशी वातावरण व क्रिया-कलाप को भी अपनाया जा रहा है। बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के भाषायी दक्षता विकास के लिए हम सभी को उनकी क्षमता के अनुरूप पाठ्यक्रम व शिक्षण के तरीको को अपनाने की आवश्यकता है, जिससे वे सहज और सरल तरीके से भाषा विकास से जुड़ी गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें। चिंतन, चुनौती एवं रूचि को ध्यान में रखकर किये गये प्रयास सार्थक परिणाम देंगे।

बच्चों के साथ शिक्षण कार्य करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है-

१ एक साथ कई जानकारियों को प्रदर्शित न किया जाय।

२ आरम्भिक बातचीत के दौरान उनकी क्षमता व विशेषता का आकलन/मूल्यांकन को संदर्भ में लिया जाय।

३ विषयवस्तु को समझाने के लिए यथासम्भव मूर्त वस्तुओं का उपयोग किया जाय।

४ अधिगम सम्प्राप्ति का मूल्यांकन सतत् रूप से करते हुए विषयवस्तु/शिक्षण बिंदु को विस्तार दिया जाय। शिक्षण अधिगत सामग्री का प्रयोग करते समय यह ध्यान रखा जाय कि चित्रों का आकार बड़ा व स्पष्ट हो। कई रंगों का प्रयोग एक साथ न हो।

५ छोटी-छोटी कविता एवं कहानियों को सुनाया जाय। अधिक से अधिक २ या ३ पात्रों वाली कहानी जो किसी समस्या का समाधान कर रही हो या कोई संदेश दे रही हो, को सुनाया जा सकता है।

६ पठन हेतु निर्धारित वर्ण एवं शब्द को बोल्ड फॉन्ट में प्रयोग किया जाय।

७ बच्चों के सभी प्रयासों पर पुनर्बलन अवश्य दिया जाय।

८ भावात्मक रूप से जुड़ाव इन बच्चों के अधिगम सम्प्राप्ति को बढ़ाने में मदद करता है।

९ प्रत्येक बच्चे की प्रगति/उपलब्धि का आकलन उसके उपलब्धि के सापेक्ष किया जाय।

१० पाठ्य वस्तु को छोटे-छोटे भागों/चरणों में विभक्त कर शिक्षण कार्य किया जाय।

११ भाषायी दक्षता विकास हेतु दृश्य-श्रव्य सामग्री का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के साथ कार्य करते समय धैर्य एवं विभिन्न तकनीकों के प्रयोग की आवश्यकता होती है।

आप से यह अपेक्षा है कि आप बच्चों के साथ शिक्षण कार्य करते हुए उपर्युक्त बातों को भी ध्यान में रखते हुए सफलतापूर्वक लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अवसर–1

नाम : ______________________________

माता का नाम : ______________________________

पिता का नाम : ______________________________

विद्यालय का नाम: ______________________________

पता : ______________________________

निःशुल्क वितरण हेतु

मुख्य संरक्षक	:	श्रीमती रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
संरक्षक	:	श्री विजय किरन आनन्द, महानिदेशक (स्कूल शिक्षा) उ0प्र0 तथा राज्य परियोजना निदेशक, उ0प्र0 सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद्, लखनऊ।
निर्देशन	:	डॉ0 सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ0प्र0, लखनऊ।
समन्वयन	:	श्रीमती ऋचा जोशी, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी।
विशेष समन्वयन	:	श्रीमती चन्दना रामइकबाल यादव, निदेशक, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी।
समीक्षा	:	श्री अजय कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ, श्रीमती दीपा तिवारी, सहायक निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ,।
परामर्श	:	प्रो0 वशिष्ठ अनूप (हिंदी विभाग) काशी हिन्दू वि0वि0, वाराणसी, डॉ0 आर0 ए0 जोसेफ, निदेशक, विकलांग समाकलन संस्थान, करौंदी वाराणसी, डॉ0 आशीष कुमार गुप्ता, एसो0 प्रो0, काशी हिन्दू वि0वि0 वाराणसी, डॉ0 उदयन मिश्रा, एसो0 प्रो0, मनोविज्ञान विभाग हरिश्चन्द्र पी0जी0 कॉलेज, वाराणसी, डॉ0 विनीता, असि0 प्रो0, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू वि0वि0, वाराणसी,
संपादन	:	श्रीमती नीलम यादव, डॉ0 अमरजीत, शोध प्रवक्ता, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी।
लेखन	:	श्रीमती रेखा वर्मा, श्रीमती नमिता सिंह, श्रीमती रत्नेश कुमारी पाण्डेय, श्री अखिलेश्वर प्रसाद गुप्ता, डॉ0 कुँवर भगत सिंह, श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती अनीता शुक्ला, श्रीमती सुमन पाण्डेय, स0 अ0 बेसिक, श्री श्यामलाल पटेल, श्री पवन कुमार, श्री रवि प्रकाश सत्ये, श्री उदय प्रताप सिंह, श्रीमती निधि विश्वास, श्रीमती अंजना श्रीवास्तव, डॉ0 नीला विशालक्ष्मी बापट्ला, बौद्धिक दिव्यांगता से संबंधित विशेषज्ञ श्रीमती उषा कुशवाहा, श्रीमती पुष्पा देवी, श्रीमती नीलू सिंह, श्रीमती आभा देवी, इन्टीरेण्ट टीचर बेसिक ।
चित्रांकन	:	श्री संजय यादव, श्री अखिलेश कुमार गौतम, सरिता पटेल, श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव, श्री सुनील कुमार, श्री ज्ञान प्रकाश कुशवाहा, शालिनी सिंह, कु0 कुसुम, श्री ईश्वर दयाल, श्री आनंद, श्री सुभाष चन्द्र, श्री अजीत कुमार।
कम्प्यूटर ले–आउट	:	श्री मनोज कुमार यादव, श्री विनय कुमार, श्री अजीत कुमार कौशल।
आभार	:	पाठ्यपुस्तक के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य–सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

संस्करण :

शिक्षा सत्र : 2020–2021

प्राक्कथन

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 सभी बच्चों को पढ़ने–लिखने का अवसर प्रदान करता है। पाठ्यपुस्तकें सीखने–सिखाने का सबसे सशक्त एवं महत्त्वपूर्ण साधन हैं। बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों के दैनिक व सामाजिक व्यवहार सामान्य बच्चों से अलग होते हैं। उनके सीखने की क्षमता अन्य बच्चों से धीमी व अलग होती है। ऐसी स्थिति में बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 के सिद्धान्तों के दृष्टिगत इन बच्चों को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु पाठ्यपुस्तक का विकास किया गया है। यह पुस्तक बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के साथ–साथ उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए भी उपयोगी है।

बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों में सीखने की गति, संवेगात्मक विकास, बौद्धिक कार्य व व्यवहार में अनुकूलन की क्षमता कम होती है। सभी बौद्धिक दिव्यांग बच्चे एक जैसे नहीं होते हैं तथा अधिगम अक्षमता में प्रशिक्षण के द्वारा सुधार लाया जा सकता है। इस प्रकार शिक्षण एवं प्रशिक्षण हेतु योग्य बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को सिखाने में माता–पिता, अभिभावकों एवं सेवादाताओं को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह पुस्तक उन अभिभावकों एवं संरक्षकों के लिए विशेष उपयोगी सिद्ध होगी, जो बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को दैनिक एवं व्यावहारिक जीवन के क्रियाकलापों में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं।

पुस्तक में दैनिक जीवन में उपयोगी क्रियाकलापों, आसपास के परिवेश में उपलब्ध वस्तुओं की पहचान व उपयोग, परिवार व अन्य संबंधियों की पहचान, विभिन्न प्रकार की भावनाएँ प्रदर्शित करना आदि विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तकों की भाषा अत्यन्त सरल है तथा बच्चों के बौद्धिक स्तर तथा उनकी क्षमता के अनुरूप विकसित की गयी है। पुस्तक में निहित सामग्री के संप्रेषण विधि अत्यन्त साधारण व सरल है। पुस्तक के विकास में उन कौशलों एवं दक्षताओं को ध्यान में रखा गया है जो कक्षा–1 लिए अपेक्षित हैं।

इस पाठ्यसामग्री को विकसित करने में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, के विशेषज्ञों, निदेशक,राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी के शोध प्रवक्ताओं, बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों तथा विशेष रूप से बौद्धिक दिव्यांग बच्चों हेतु स्थापित संस्थानों में कार्य करने वाले शिक्षकों को साधुवाद देता हूँ।

हमें यह विश्वास है कि यह पाठ्यपुस्तक बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों में अपेक्षित जीवन कौशल के साथ–साथ अपेक्षित भाषायी दक्षता के विकास में भी सहायक होगी।

अप्रैल 2020

डॉ0 सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह
शिक्षा निदेशक (बेसिक)
एवं
अध्यक्ष, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद्

पाठ्यक्रम

सुनना	कही गई बातों एवं सामान्य निर्देशों को सुनकर समझने का अभ्यास करना। अपने परिवेशीय वस्तुओं, पशु–पक्षियों के नामों को सुनकर समझना। गीत, कविता, कहानी को हाव–भाव के साथ सुनना।
बोलना	अपने बारे में बोलना। अपनी बात बताने का प्रयास करना। सुनी हुई बातों को व्यक्त करना। सुनी हुई कविता, गीत, कहानी को बोलना। चित्रों एवं चित्राधारित पाठों को देखकर स्वतंत्र अभिव्यक्ति देना, शिष्टाचार के बारे में मौखिक अभिव्यक्ति देना।
पढ़ना	'अ' से 'अः' तक वर्णों की पहचान करना। अमात्रिक शब्दों को चित्रों के साथ पढ़ना आ, इ एवं ई की मात्रा वाले शब्दों को चित्र के माध्यम से पहचान कर पढ़ना। सरल कविता, गीत, कहानी को सस्वर पढ़ना।
लिखना	मस्तिष्क एवं अंगुलियों में सामंजस्य बनाते हुए लेखन पूर्व तैयारी करना जैसे–स्क्रीबलिंग, आकृति में अंगुली फिराना, सीधी, आड़ी, तिरछी एवं वक्र रेखा खींचना।

शिक्षण संबंधी परिणाम

बच्चे–

- प्रार्थना की मुद्रा जैसे–सीधे खड़े होना, हाथ जोड़ना, आँखें बंद करने की प्रक्रिया को अपनाते हैं।
- अपना नाम बताते हैं।
- अपने माता–पिता का नाम बताते हैं।
- अपने परिवार के सदस्यों के बारे में बातचीत करते हैं।
- अपनी कक्षा की वस्तुओं जैसे–कुर्सी, मेज, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, बस्ता, पेंसिल, रबर की पहचान करते हैं।
- आकृतियों पर अँगुली फेरते हैं। अँगुलियों की छाप लगाते हैं।
- चित्र देखकर अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हैं।
- कविता को सुनकर हाव–भाव समझते हैं और आनंद की अनुभूति करते हैं।
- कुछ ध्वनियों को सुनते हैं और समझते हैं।
- कहानी सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने की कोशिश करते हैं।
- परिवेशीय वस्तुओं जैसे पेड़–पौधे, पशु–पक्षियों, फल–फूल आदि के बारे में बताते हैं।
- पुस्तक को सही ढ़ंग से पकड़ते व पलटते हैं।
- दैनिक कार्यों जैसे–शौच जाना, ब्रश करना, हाथ धोना, सही ढंग से भोजन करना आदि को करने का प्रयास करते हैं।
- खींची गई रेखा (सीधी/तिरछी) के ऊपर रेखा खींचते हैं।
- आ, इ, ई की मात्रा वाले शब्दों को चित्रों को देखकर बोलते हैं।
- स्वर गीत (अ से अः तक) को सुनकर बोलने का प्रयास करते हैं।

विषय सूची

	प्रार्थना		8
1	मुझसे मिलिए		9
●	मेरे माता-पिता		10
●	मेरा परिवार	कविता	11
2	मेरी कक्षा		12-15
●	मिलान करो		16
●	लिखने की तैयारी		17
●	आओ कुछ करें	क्रियाकलाप	18-19
3	दैनिक क्रियाएँ		20-24
●	शौच के बाद हाथ धोना		21
●	दाँत साफ करें		22
●	आओ भोजन करें		23
●	काम की बातें	कविता	24
4	आओ पहचानें- 1		25-32
●	सेब	कविता	25
●	मिलान करो		26-27
●	रंग भरो	क्रियाकलाप	28
●	केला	कविता	29
●	मिलान करो		30-31
●	रंग भरो		32
5	लेखन अभ्यास- 1		33-36
●	सीधी/आड़ी रेखा		33-34
●	तिरछी रेखा		35-36
6	पतंग	कविता	37

7	आओ पहचानें- 2		38-41
	● गेंदा		38
	● गुलाब		39
	● गुड़हल		40
	● मिलान करो		41
8	रेल चली	कविता	42
9	लेखन अभ्यास- 2		43-45
10	आओ पहचानें- 3		46-49
	● गाय		46
	● बिल्ली		47
	● कुत्ता		48
	● मिलान करो		49
11	बाग	चित्रचर्चा	50
12	आओ पहचाने- 4		51-54
	● तोता		51
	● कौआ		52
	● कबूतर		53
	● मिलान करो		54
13	प्यासा कौआ	चित्रचर्चा	55-56
14	देखो और बोलो		57-61
	● अमात्रिक एवं मात्रिक शब्दों को चित्रों के साथ देखकर बोलना		
15	स्वर गीत		62-68

प्रार्थना

हम नन्हें मुन्ने बच्चे हैं,
मन के सच्चे और नादान;
खेलें कूदें हँसें बढ़ें हम,
भगवन् दो ऐसा वरदान।

शिक्षण संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों से कराएँ।

पाठ – 1

मुझसे मिलिए

छात्र / छात्रा का फोटो चिपकाएँ

मेरा नाम .... है।

शिक्षण संकेत

बच्चे का फोटो लगाकर उसका नाम लिखें तथा नाम को बोलनें का अभ्यास कराएँ।

मेरे माता–पिता

मेरी माता का नाम.................. है।

मेरे पिता का नाम.................... है।

शिक्षण संकेत

शिक्षक बच्चे के माता–पिता की फोटो लगाकर उनका नाम लिखें तथा बच्चों से उनका नाम बुलवाने का अभ्यास कराएँ।

मेरा परिवार

ये हैं मेरे मम्मी–पापा,
ये हैं मेरे भैया;
नाच रही है छोटी बहना,
करके ता–ता थैया।

शिक्षण संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें तथा बच्चों से उनके परिवार के सदस्यों के बारे में बातचीत करें।

पाठ – 2

मेरी कक्षा

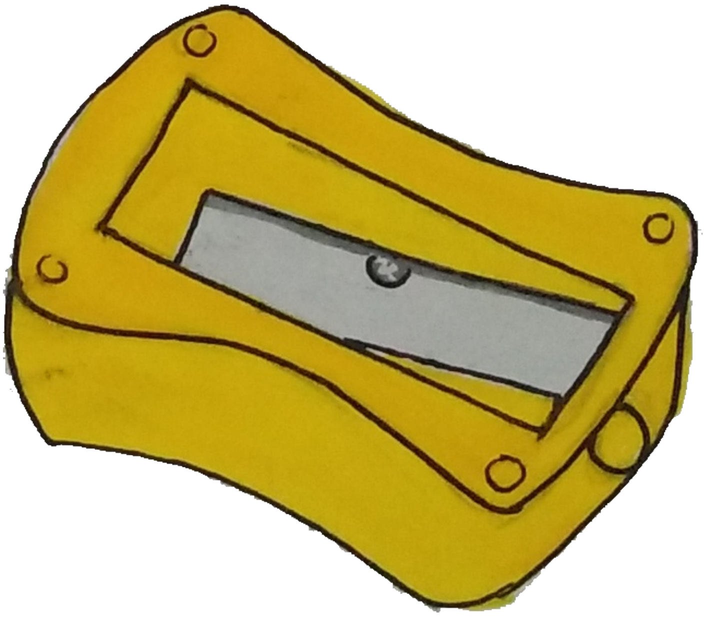
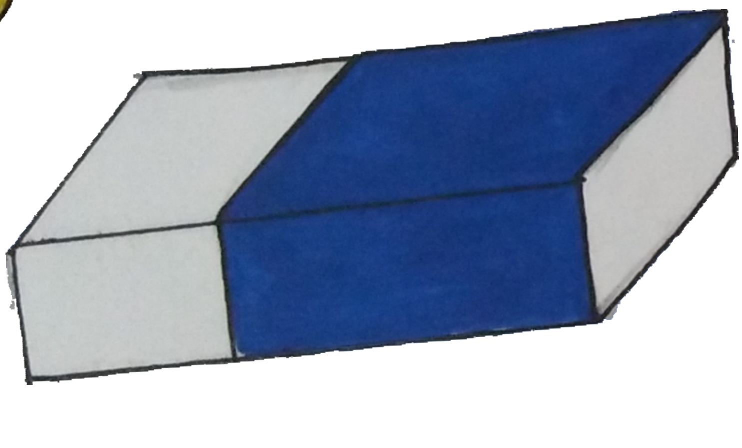

मेज

कुर्सी

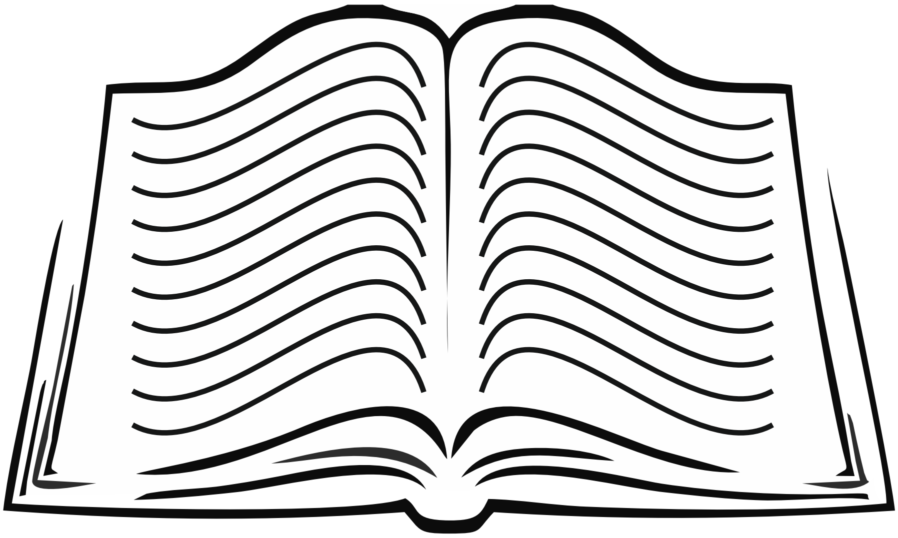

पुस्तक

कलम

शिक्षण संकेत

चित्र में दिखाई गयी वस्तुओं की पहचान कराते हुए बातचीत करें।

मिलान करो–

मेज

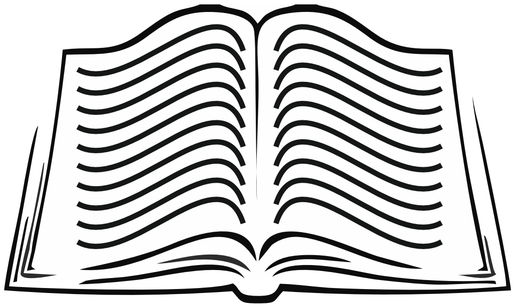

पुस्तक

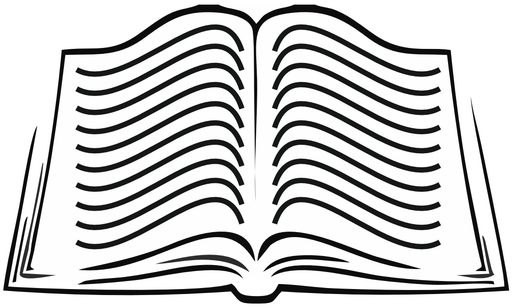

पुस्तक

कुर्सी

कुर्सी

मेज

शिक्षण संकेत

अध्यापक अँगुली द्वारा एक जैसी वस्तुओं को बच्चों से मिलवाएँ।

लिखने की तैयारी

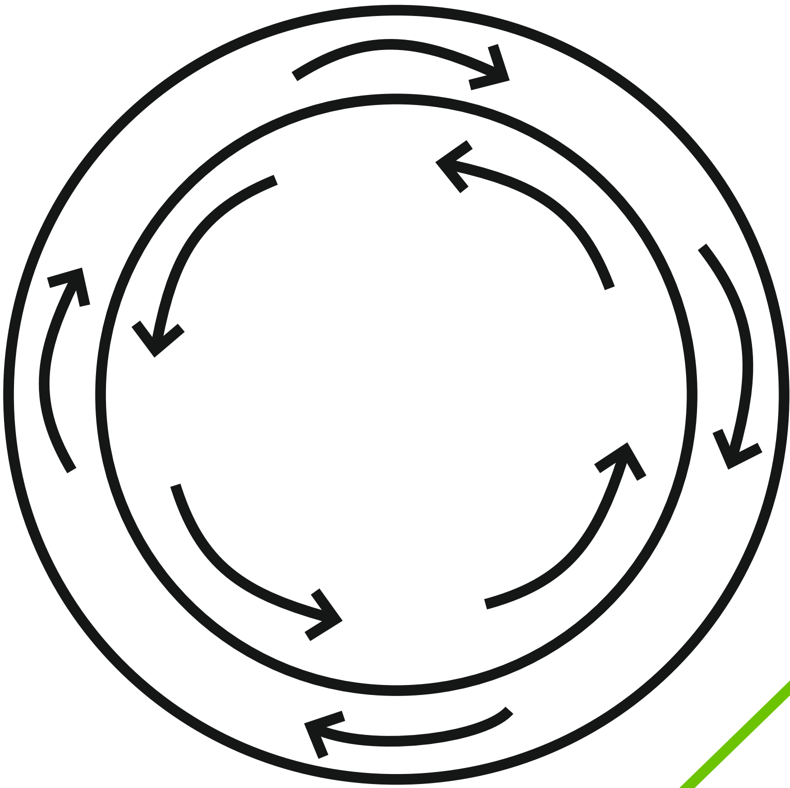

शिक्षण संकेत

बनी हुई आकृतियों पर घड़ी की सूई की दिशा में एवं विपरीत दिशा में अँगुली फेरने का अभ्यास करवाएँ।

आओ कुछ करें

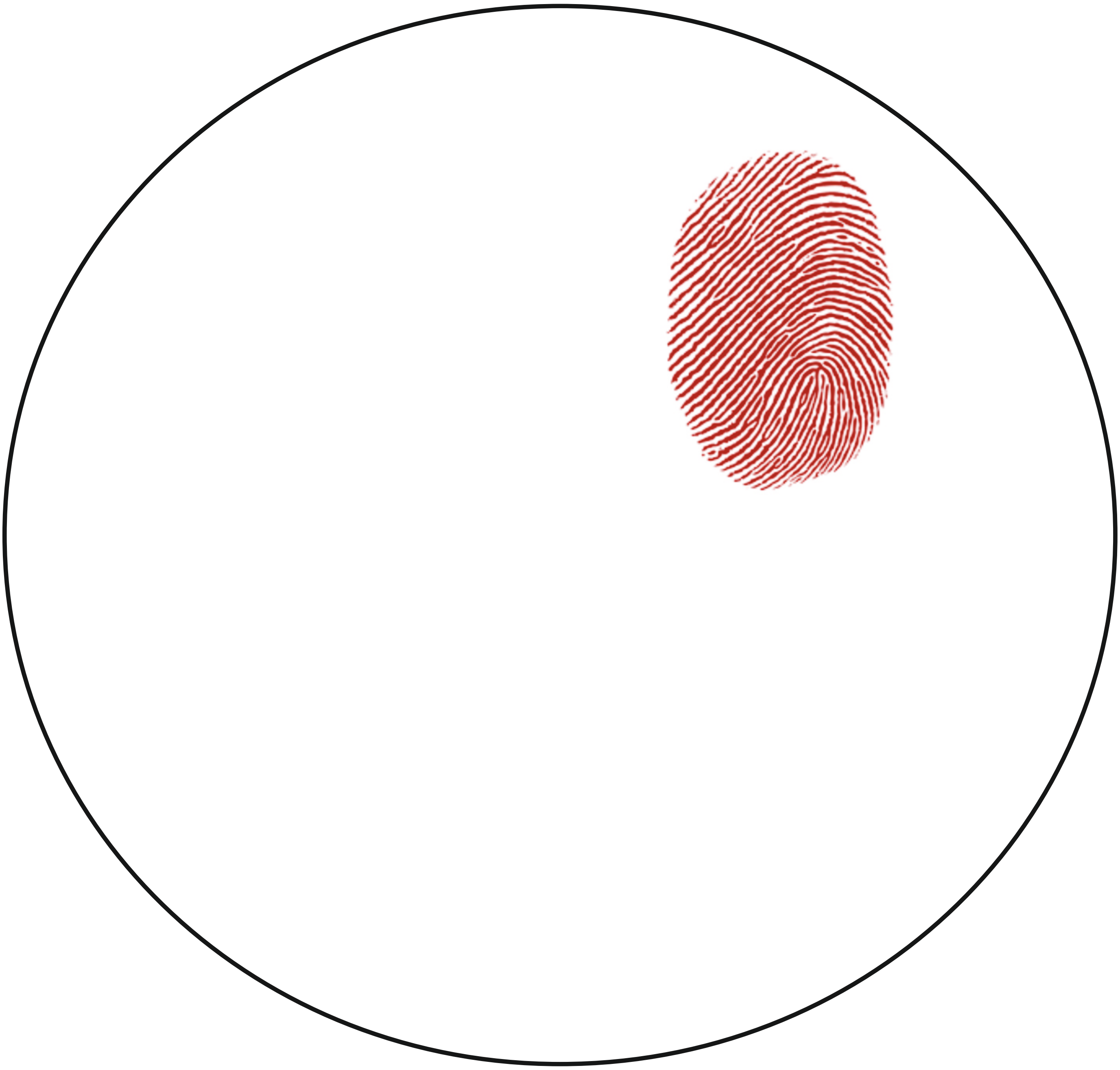

शिक्षण संकेत बच्चों से गोले में अँगुलियों की छाप (रंग लगाकर) लगवाएँ।

शिक्षण संकेत

निर्धारित गोले के अंदर पेंसिल/क्रेयान/कलर पेंसिल की सहायता से स्वतंत्र रूप से रेखा खिंचवाएँ।

पाठ – 3

दैनिक क्रियाएँ

शिक्षण संकेत

शौचालय प्रयोग के तरीकों पर बच्चों से बातचीत करें।

शौच के बाद हाथ धोना

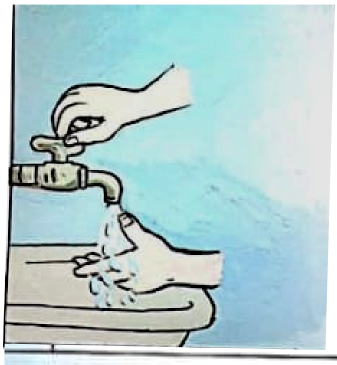

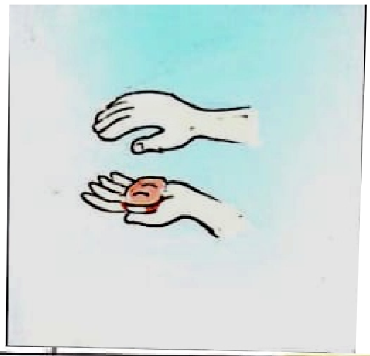

शिक्षण संकेत

हाथ धोने के विभिन्न तरीकों का अभ्यास कराएँ।

दाँत साफ करें

शिक्षण संकेत बच्चों को दाँत साफ करने के विभिन्न तरीकों से परिचित कराएँ।

vkvks Hkkstu djsa

शिक्षण संकेत

सही ढंग से भोजन करने के तरीकों पर बच्चों से बातचीत करें।

काम की बातें

अच्छे बच्चे जल्दी उठते,
उठकर पहले शौच करते;
शौच करके हाथ धोते,
हाथ धोकर मंजन करते;
मंजन करके रोज नहाते,
रोज नहाकर खाना खाते;
खाना खाकर पढ़ने जाते।

शिक्षण संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें तथा चित्र में शामिल गतिविधि पर बच्चों से बातचीत करें।

आओ पहचानें—1

सेब

सेब सभी के मन को भाता,
हर कोई इसको मजे से खाता;
एक सेब जो रोज खाए,
रोग कोई भी पास न आए।

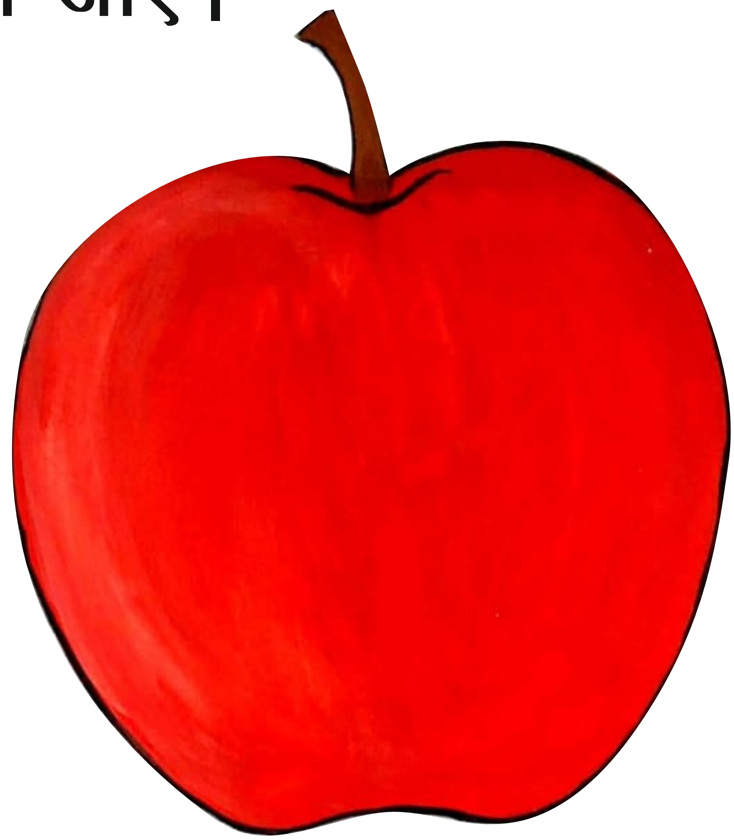

शिक्षण संकेत

सेब की पहचान कराते हुए, कविता का सस्वर वाचन करें तथा अनुकरण वाचन कराएँ।

मिलान करो–

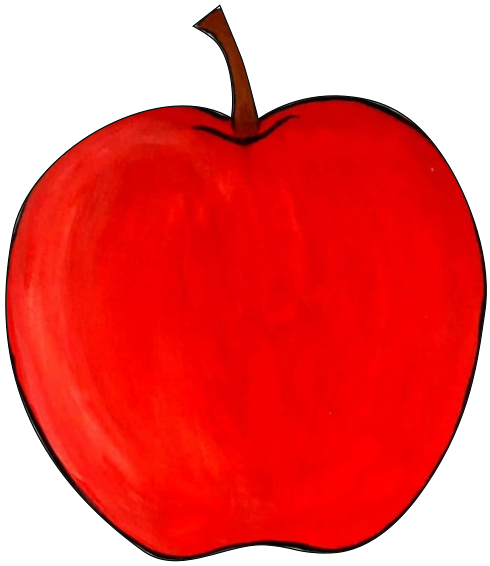

सेब

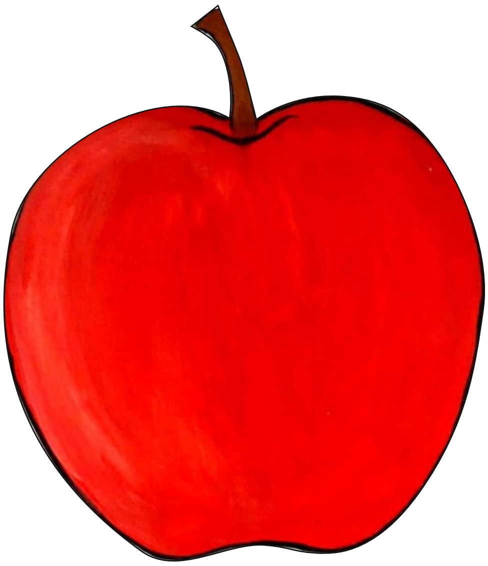

सेब

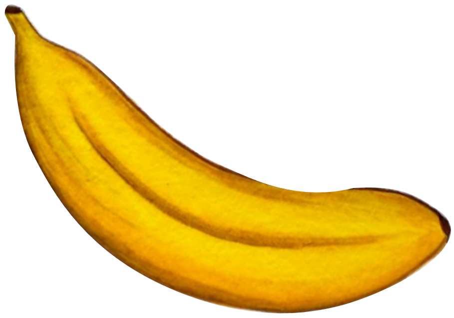

केला

शिक्षण संकेत

आकृति के आधार पर सेब का सेब से मिलान कराएँ तथा सेब शब्द का उच्चारण कराएँ।

मिलान करो–

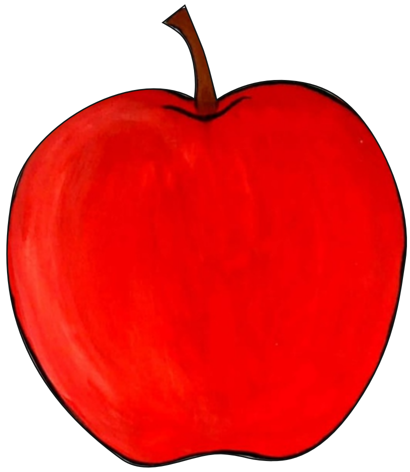

सेब

अंगूर

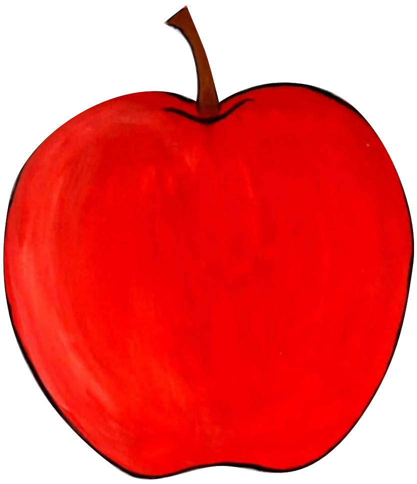

सेब

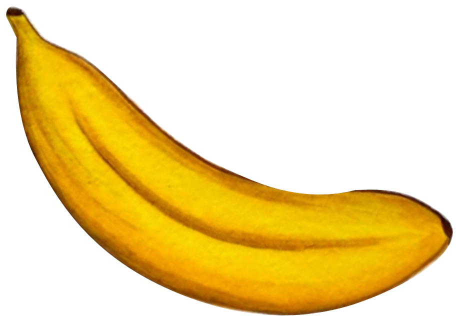

केला

शिक्षण संकेत आकृति के आधार पर सेब को सेब के साथ मिलाने का अभ्यास कराएँ। सेब का उच्चारण कराएँ।

रंग भरो–

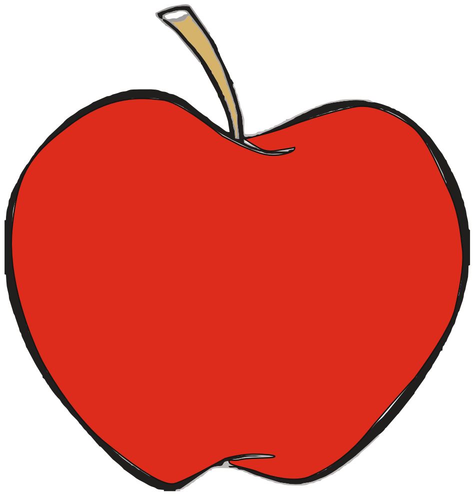

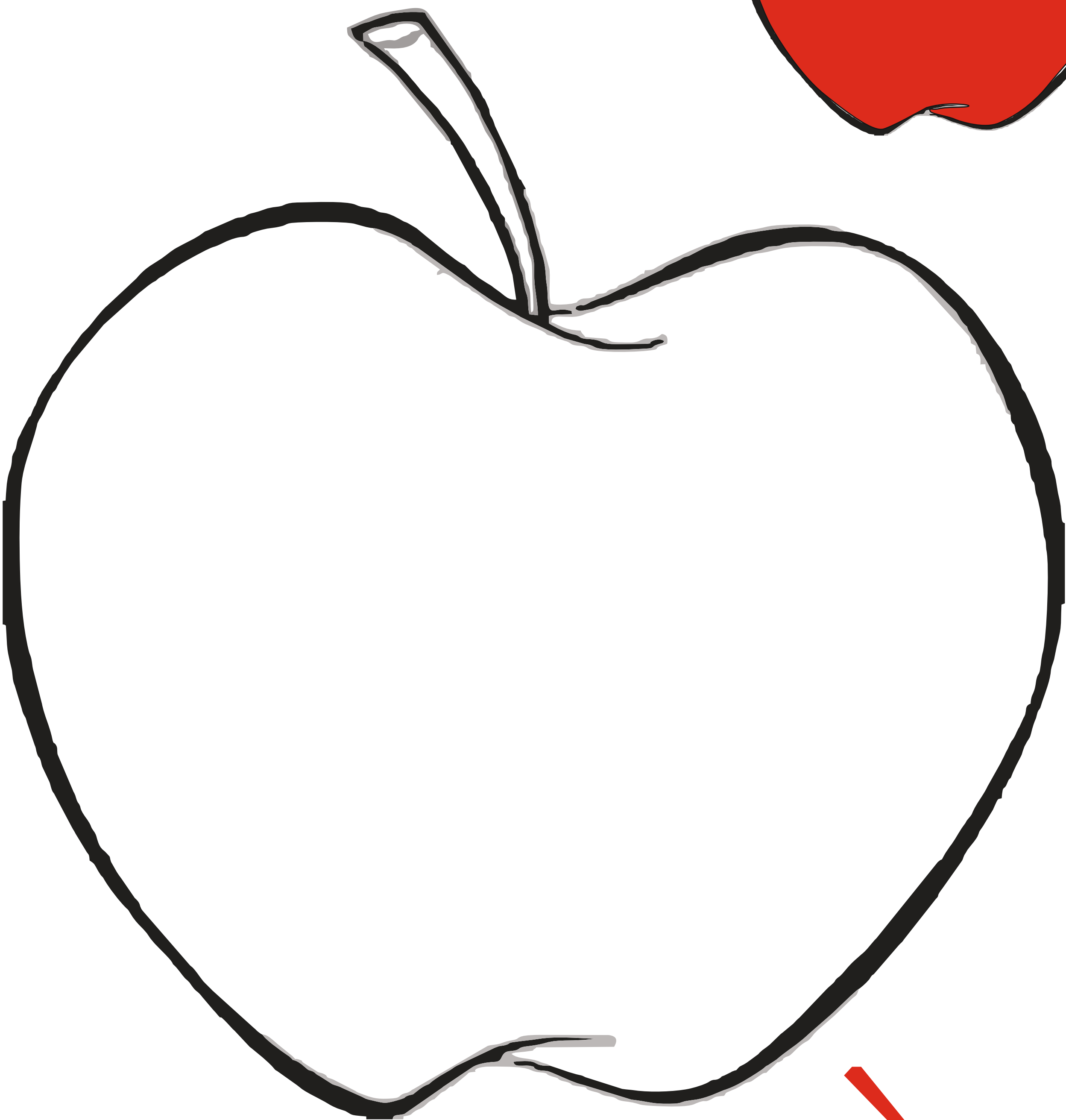

सेब

शिक्षण संकेत — बच्चों से सेब की आकृति में रंग भरवाएँ।

केला

मम्मी पापा दीदी भैया,
सबको अच्छा लगता केला;
मीठा–मीठा स्वाद है इसका,
पीला–पीला फल है केला।

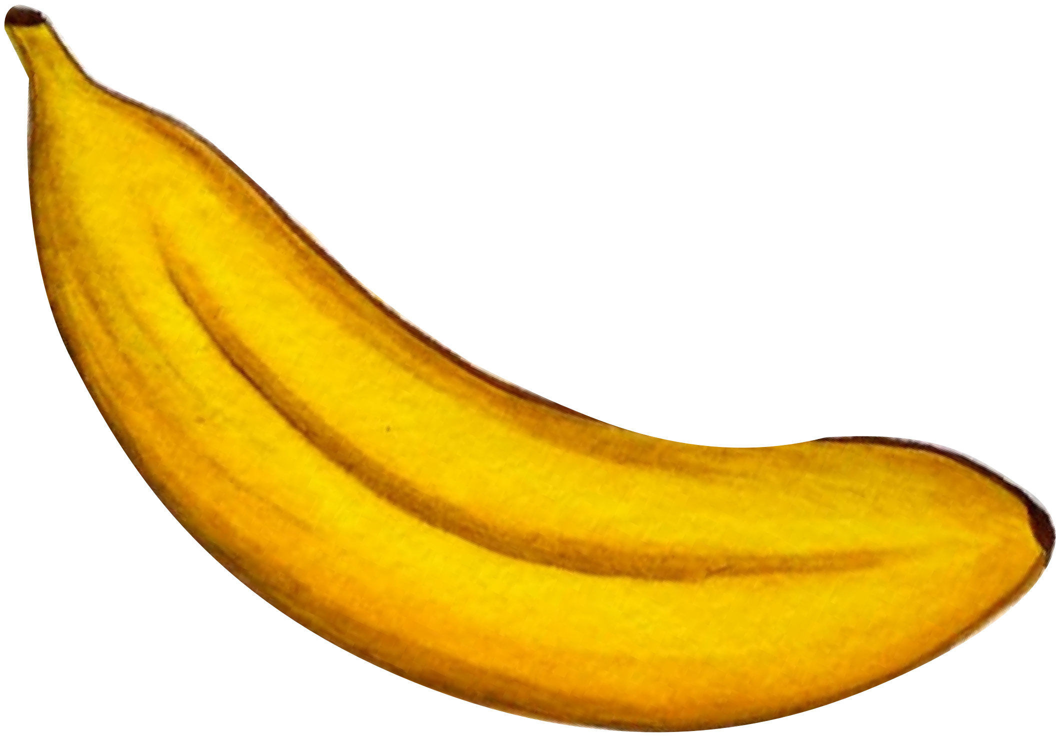

शिक्षण संकेत

केले की पहचान कराते हुए, कविता का सस्वर वाचन करें तथा अनुकरण वाचन कराएँ।

मिलान करो–

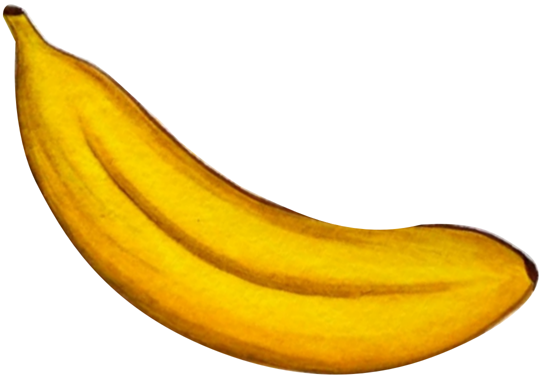

अंगूर

केला

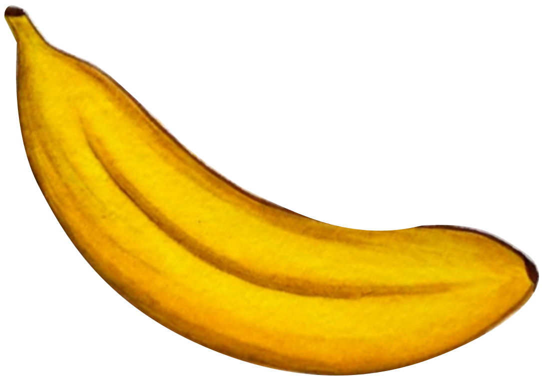

केला

शिक्षण संकेत — केले की पहचान कराते हुए बच्चों से मिलान कराएँ।

मिलान करो–

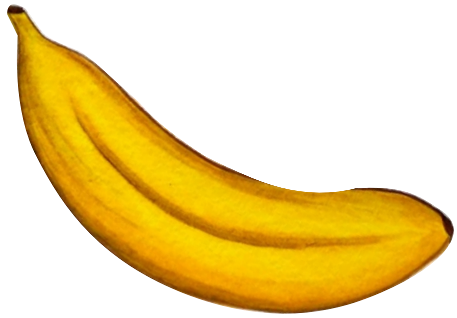

केला

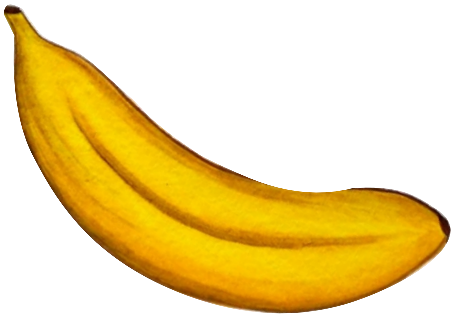

केला

अंगूर

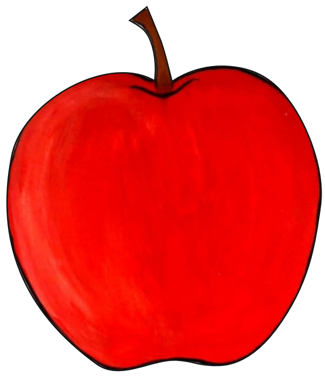

सेब

शिक्षण संकेत

आकृति के आधार पर केले को केले के साथ मिलाने का कार्य कराएँ। केले का उच्चारण कराएँ।

रंग भरो–

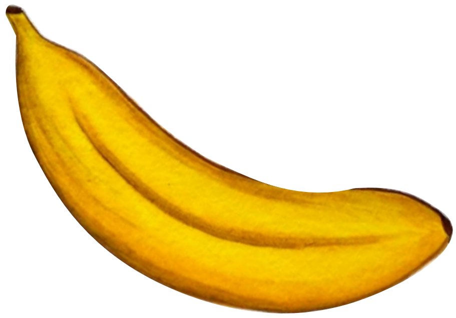

केला

शिक्षण संकेत: केले की आकृति में रंग भरवाएँ।

पाठ – 5

लेखन अभ्यास–1

सीधी रेखा

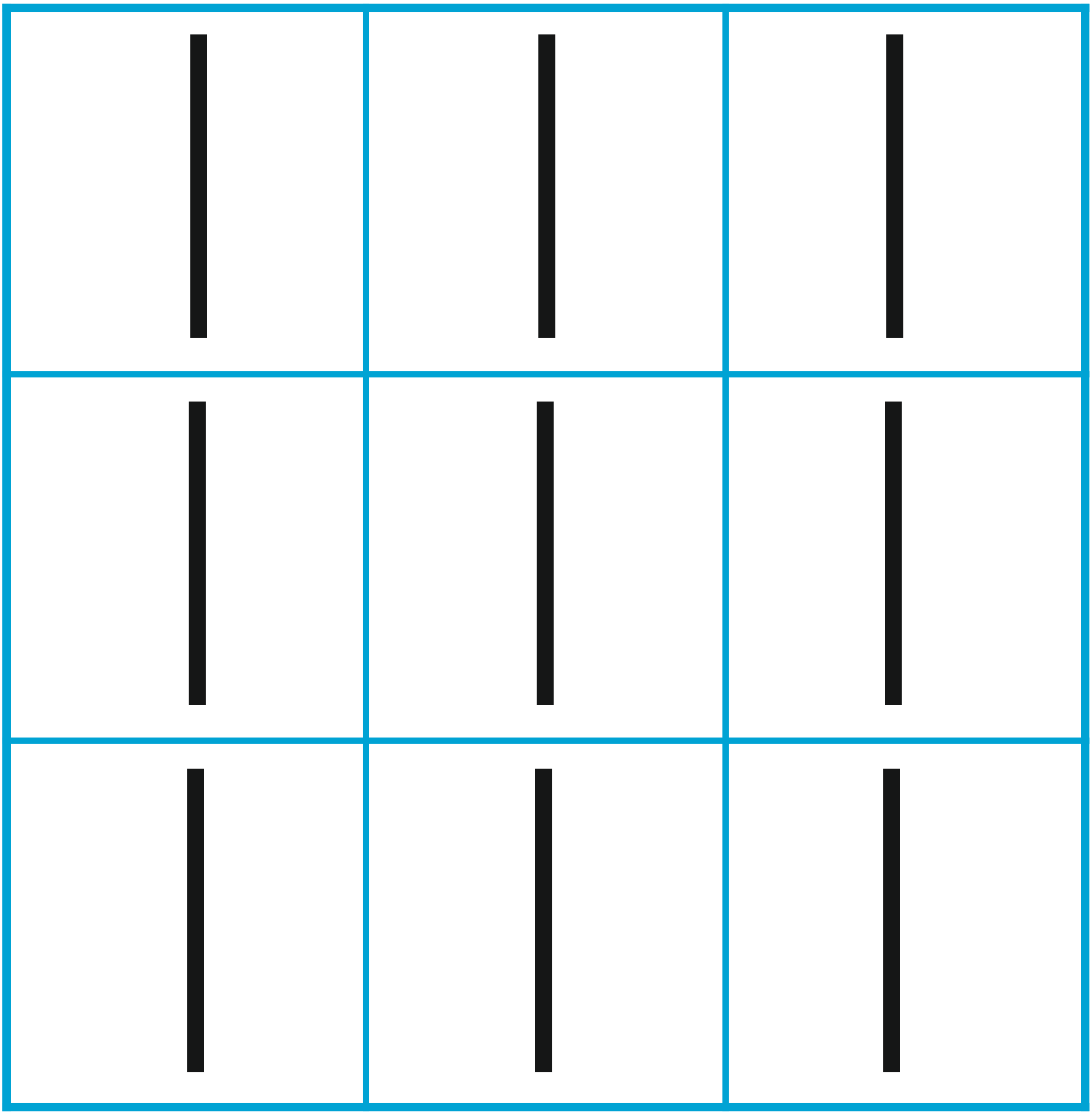

शिक्षण संकेत

दी गयी रेखा पर अँगुली फिरवाएँ पुनः पेंसिल की सहायता से रेखा खींचने का अभ्यास कराएँ।

आड़ी रेखा

————	————	————
————	————	————
————	————	————

शिक्षण संकेत

दी गयी रेखा पर अँगुली फिरवाएँ पुनः पेंसिल की सहायता से रेखा खींचने का अभ्यास कराएँ।

तिरछी रेखा

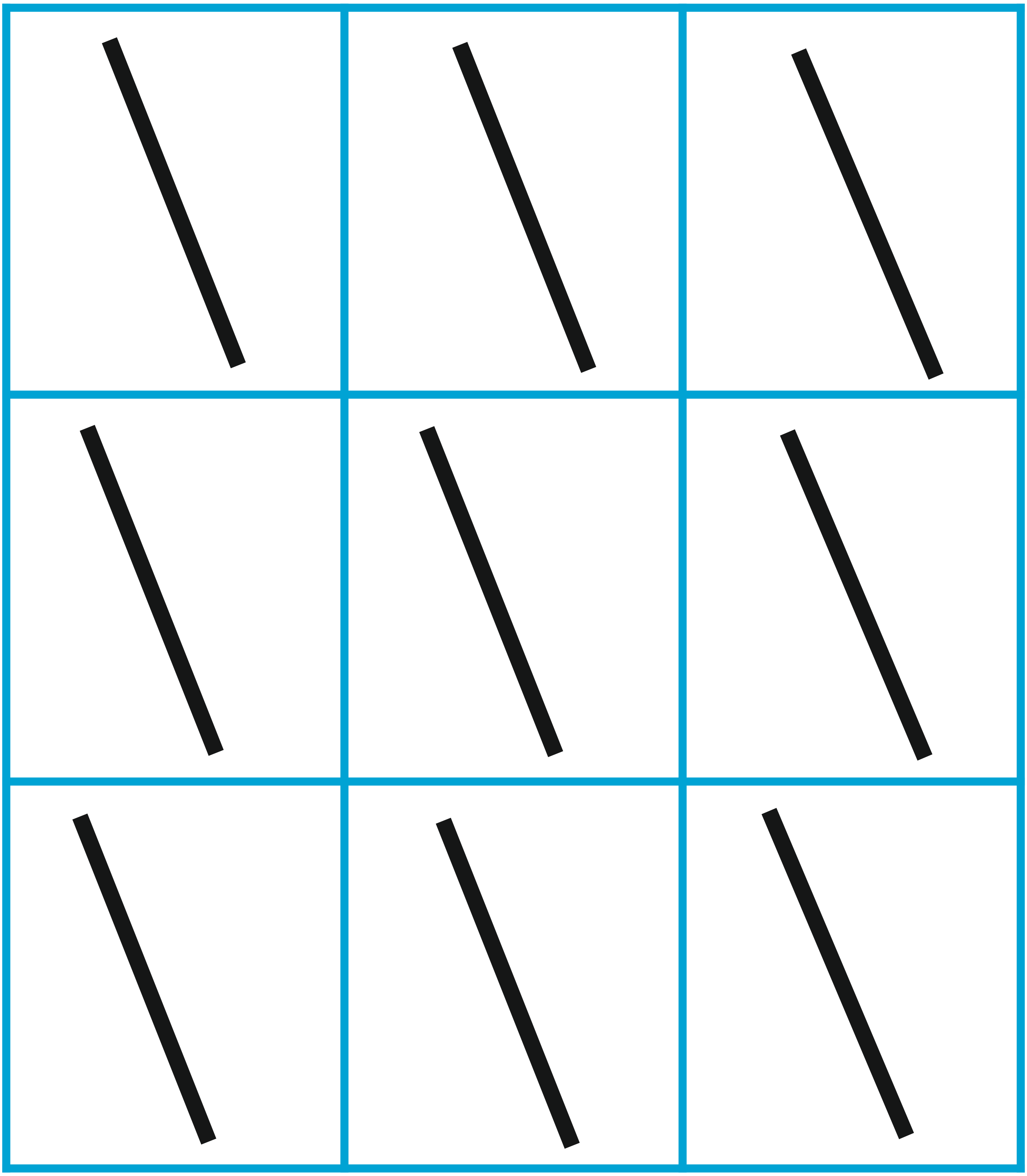

शिक्षण संकेत

दी गयी रेखा पर अँगुली फिरवाएँ पुनः पेंसिल की सहायता से रेखा खींचने का अभ्यास कराएँ।

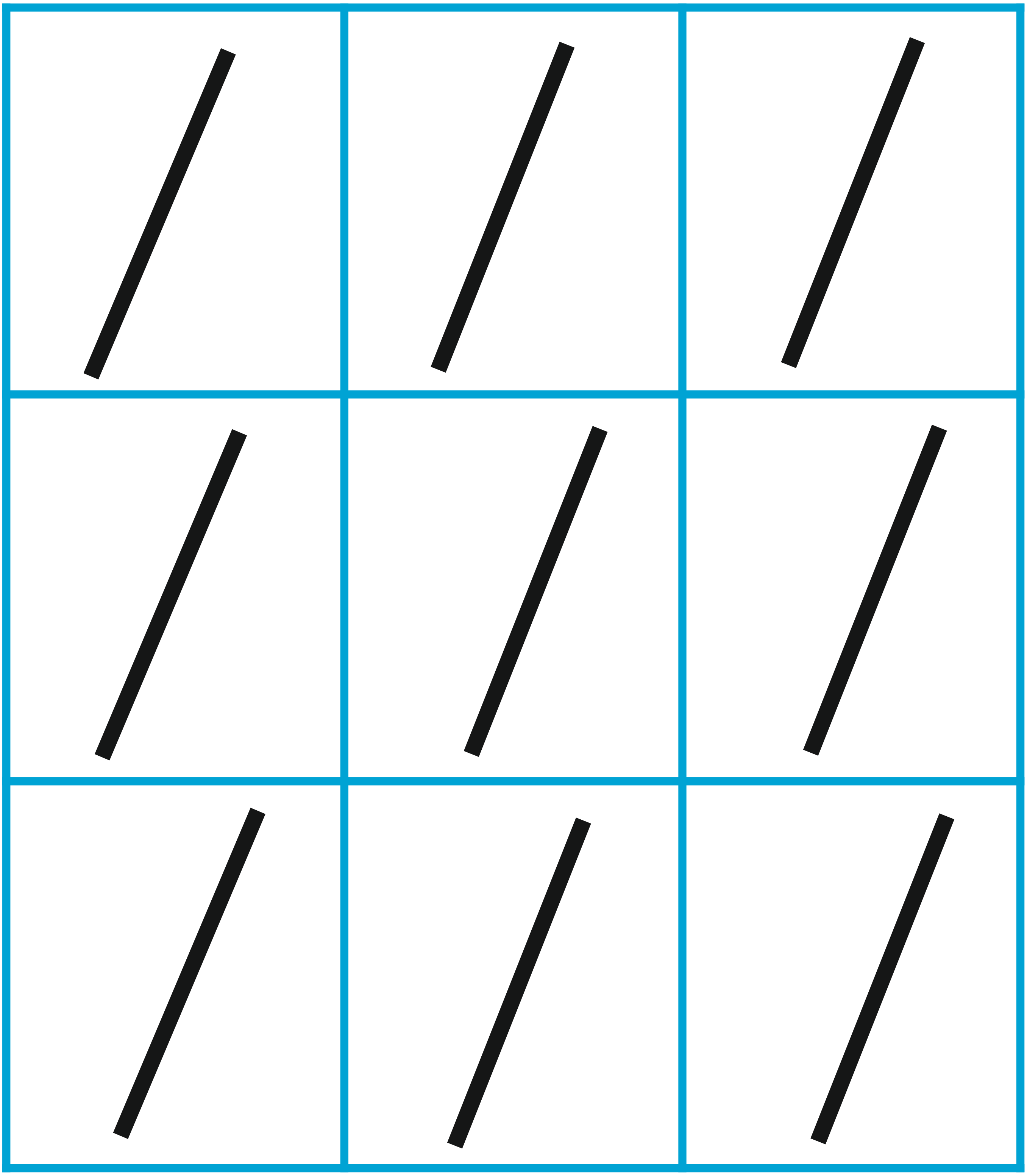

शिक्षण संकेत

दी गयी रेखा पर अँगुली फिरवाएँ पुनः पेंसिल की सहायता से रेखा खींचने का अभ्यास कराएँ।

पाठ – 6

पतंग

पतंग हमारी उड़ती जाए,
आसमान पर चढ़ती जाए;
बाएँ जाए, दाएँ जाए,
नाचे घूमे और इठलाए।

पतंग

शिक्षण संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें तथा बच्चों से अनुकरण वाचन कराएँ।

आओ पहचानें–2

गेंदा

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर गेंदे के फूल की पहचान कराएँ तथा उसके बारें में बच्चों से चर्चा करें।

गुलाब

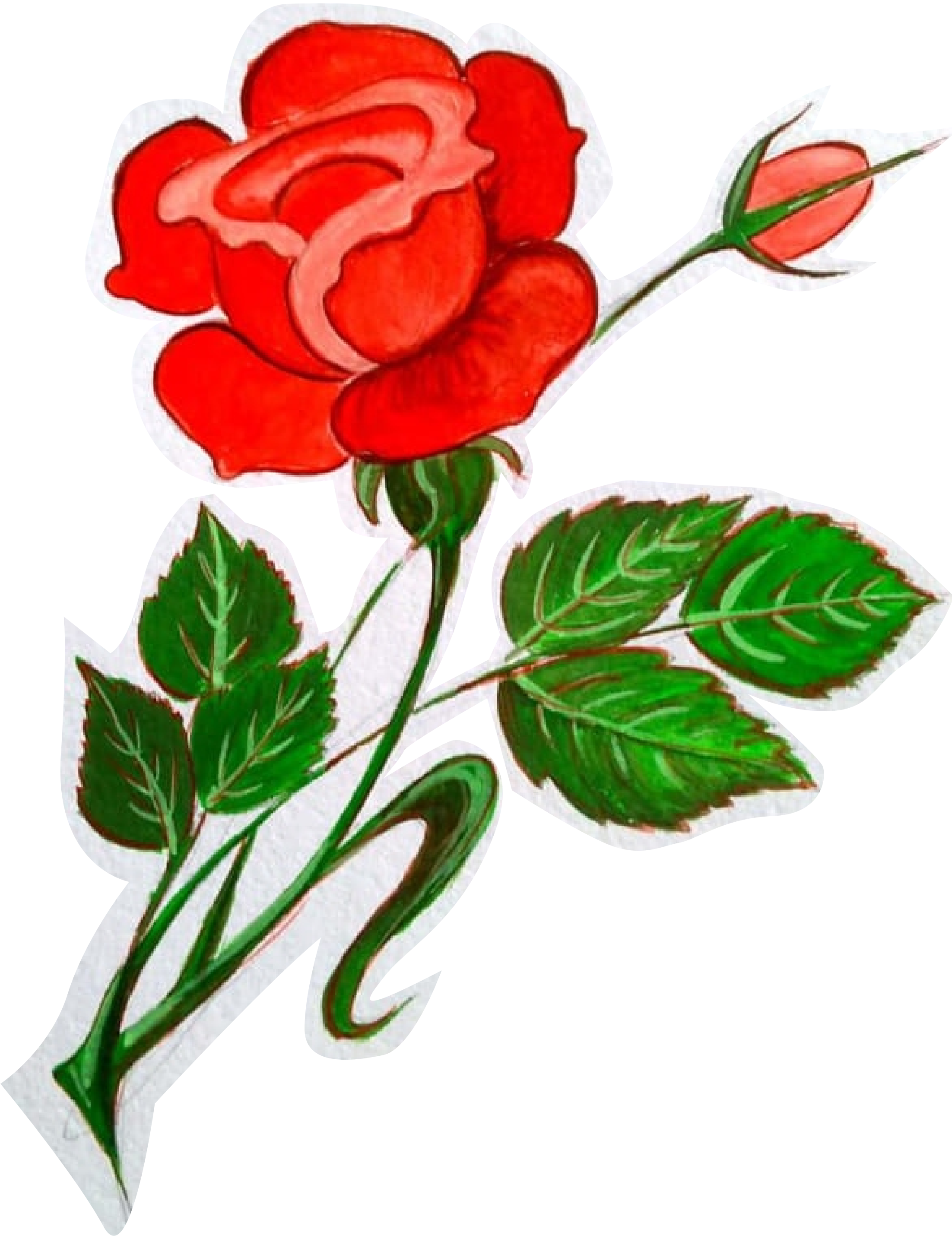

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर गुलाब के फूल की पहचान कराएँ तथा उसके बारें में बच्चों से चर्चा करें।

गुड़हल

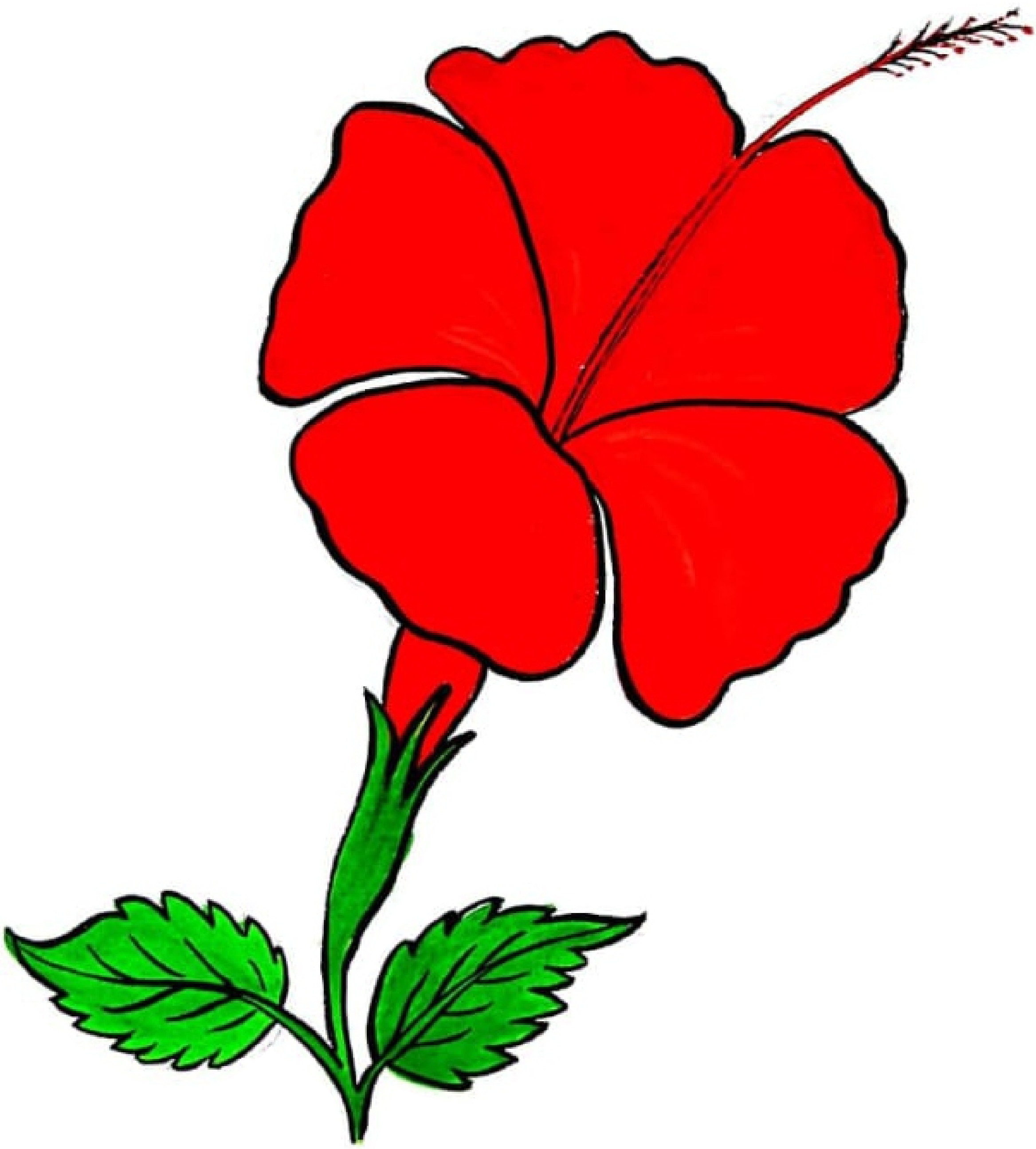

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर गुड़हल के फूल की पहचान कराएँ तथा उसके बारें में बच्चों से चर्चा करें।

मिलान करो–

गेंदा

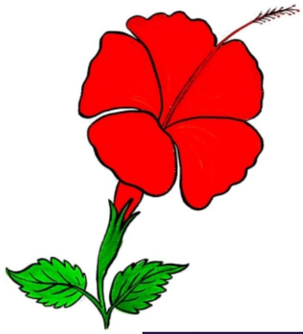
गुड़हल

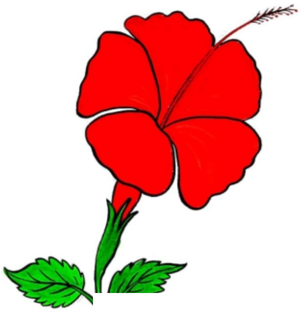
गुड़हल

गुलाब

गुलाब

गेंदा

शिक्षण संकेत समान रंग वाले फूलों को बच्चों से मिलवाएँ।

पाठ – 8

रेल चली

रेल चली, भाई रेल चली,
छुक–छुक–छुक रेल चली;
आगे इंजन पीछे डिब्बे,
सीटी बजाती रेल चली।

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर रेल के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

लेखन अभ्यास–2

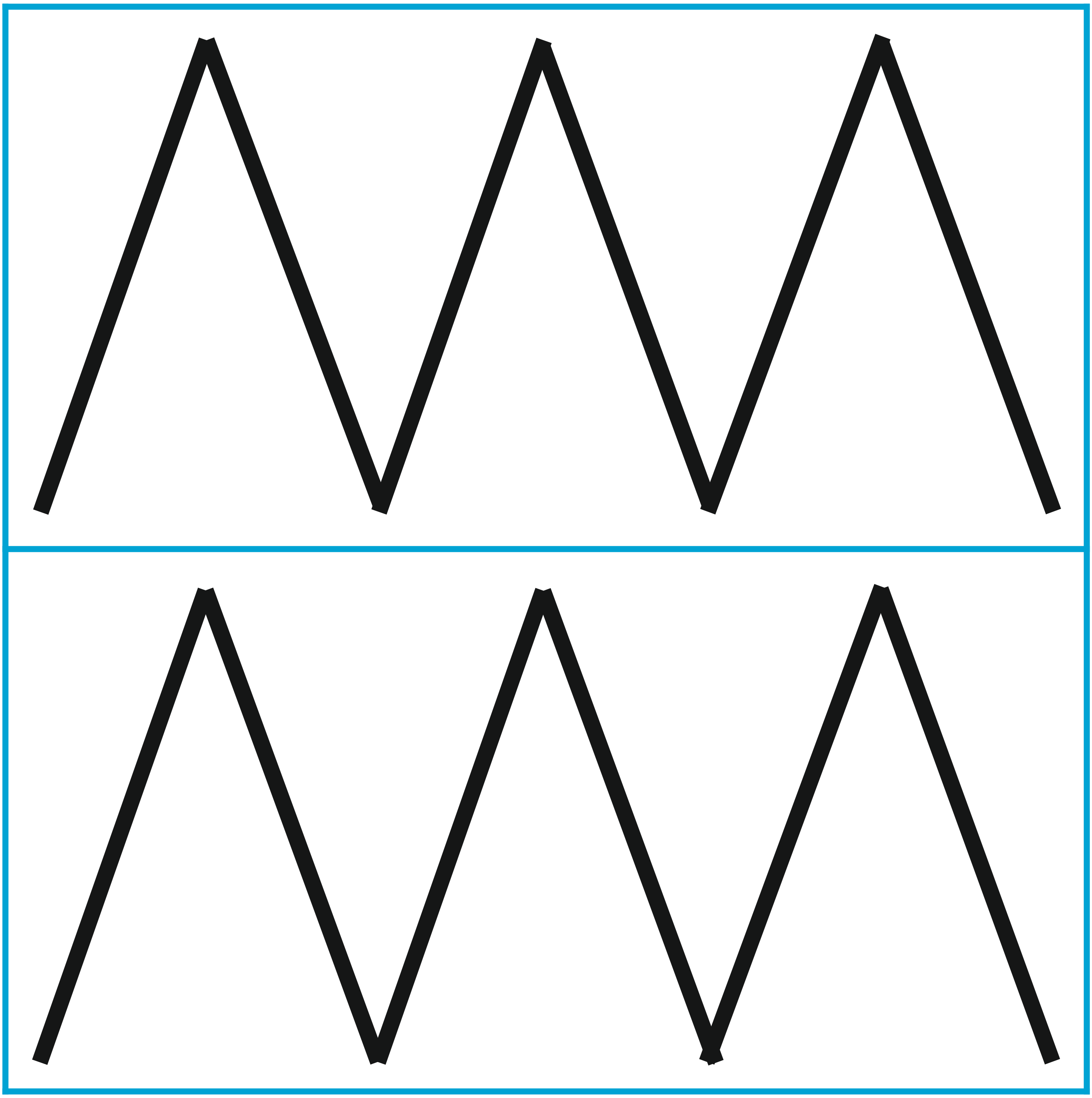

शिक्षण संकेत शिक्षक बच्चों से वक्र रेखाओं पर अंगुली फिरवाएँ। पेंसिल से अभ्यास कराएँ।

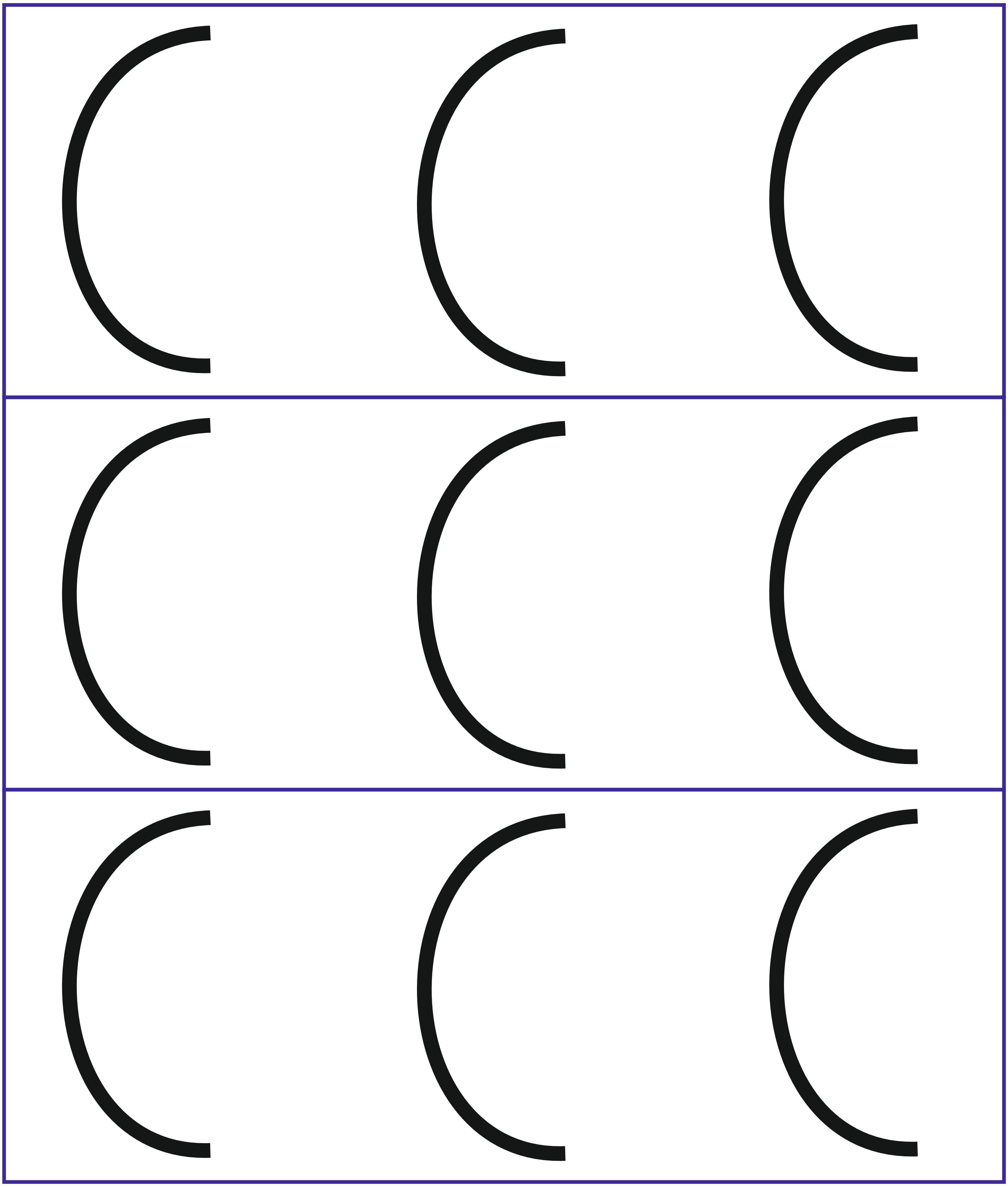

शिक्षण संकेत बच्चों से दी गई आकृति पर अँगुली फिरवाएँ एवं रेखाओं पर पेंसिल से अभ्यास कराएँ।

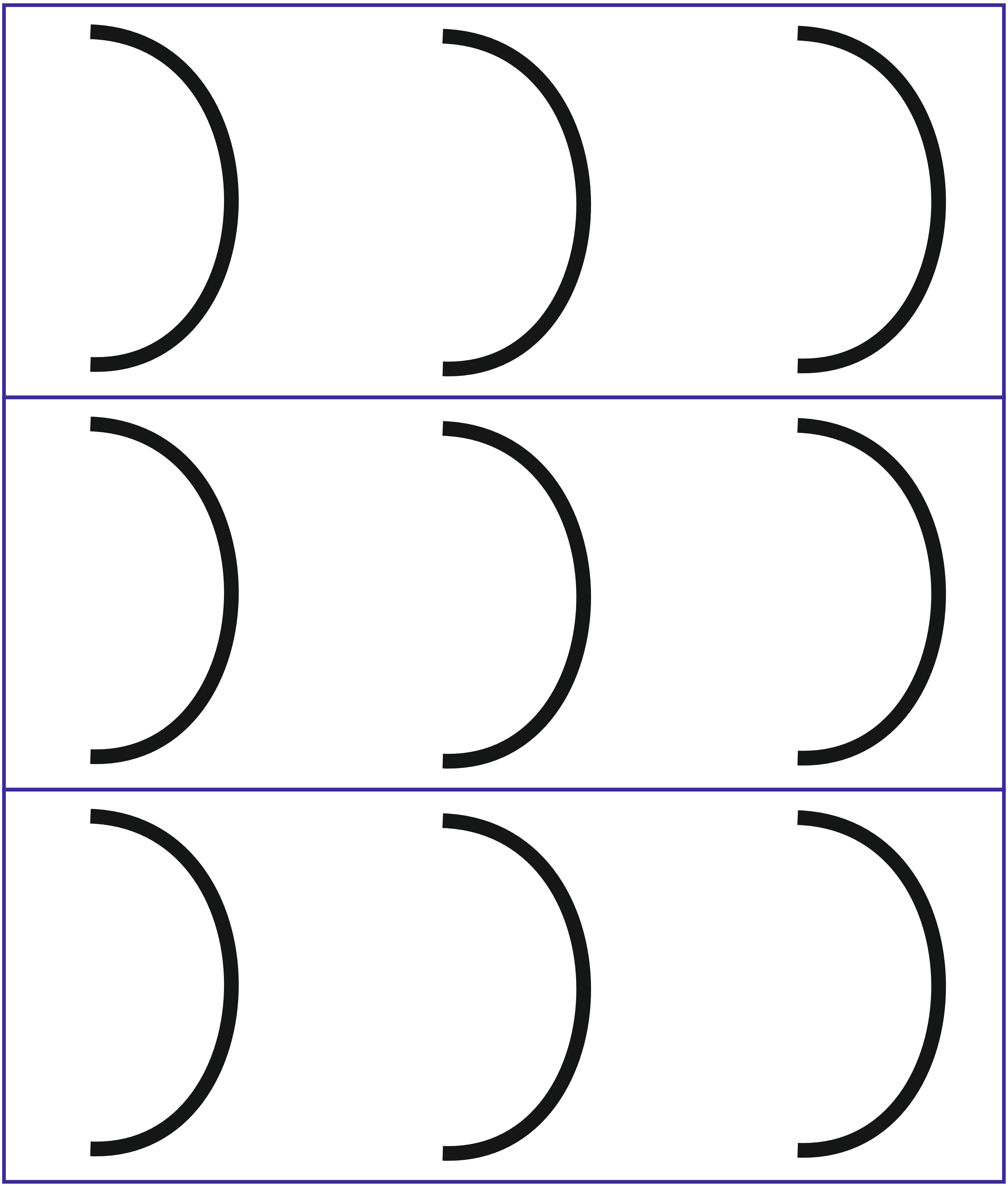

शिक्षण संकेत

बच्चों से दी गई आकृति पर अँगुली फिरवाएँ एवं रेखाओं पर पेंसिल से अभ्यास कराएँ।

आओ पहचानें–3

गाय

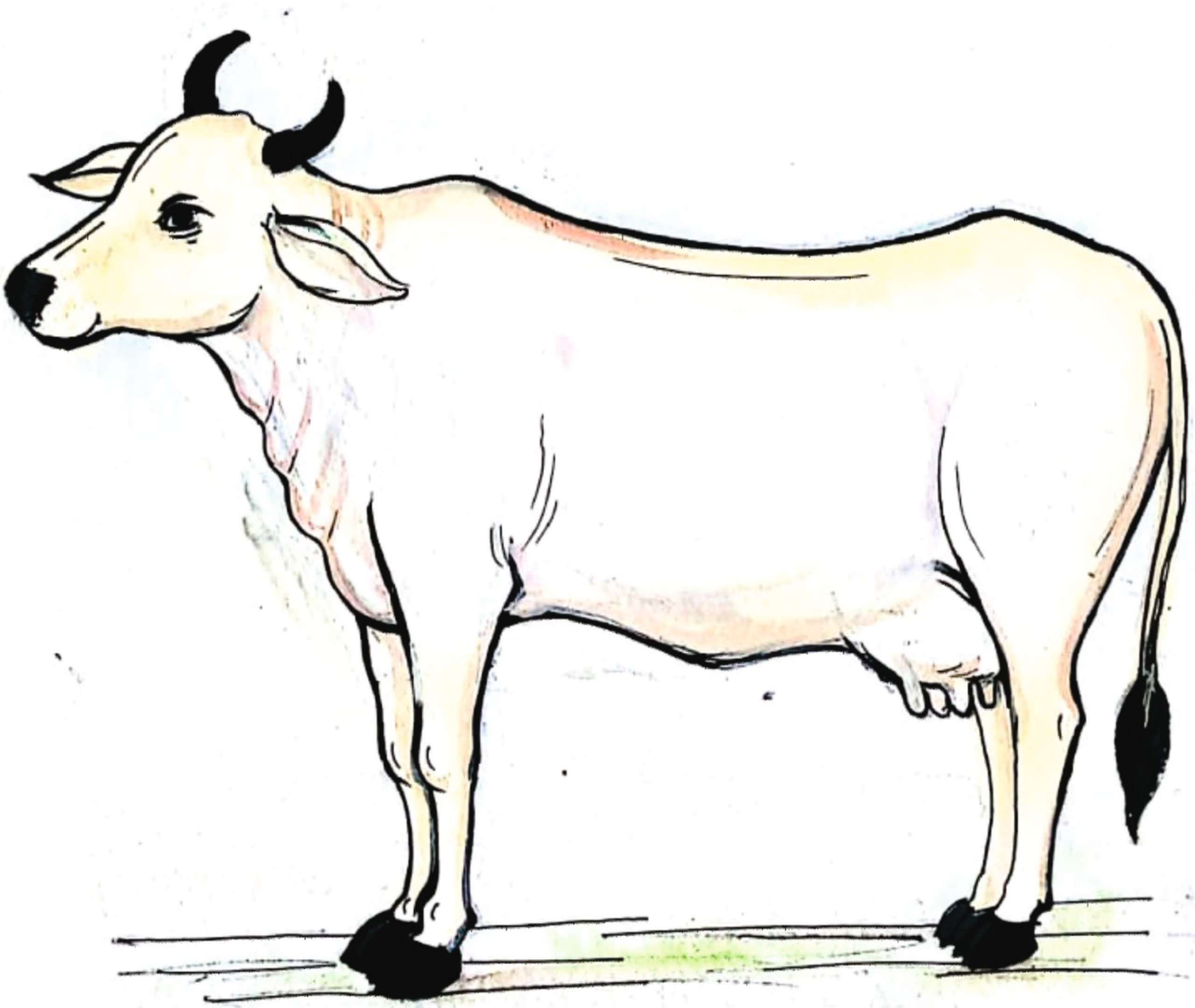

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर गाय के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

बिल्ली

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर बिल्ली के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

कुत्ता

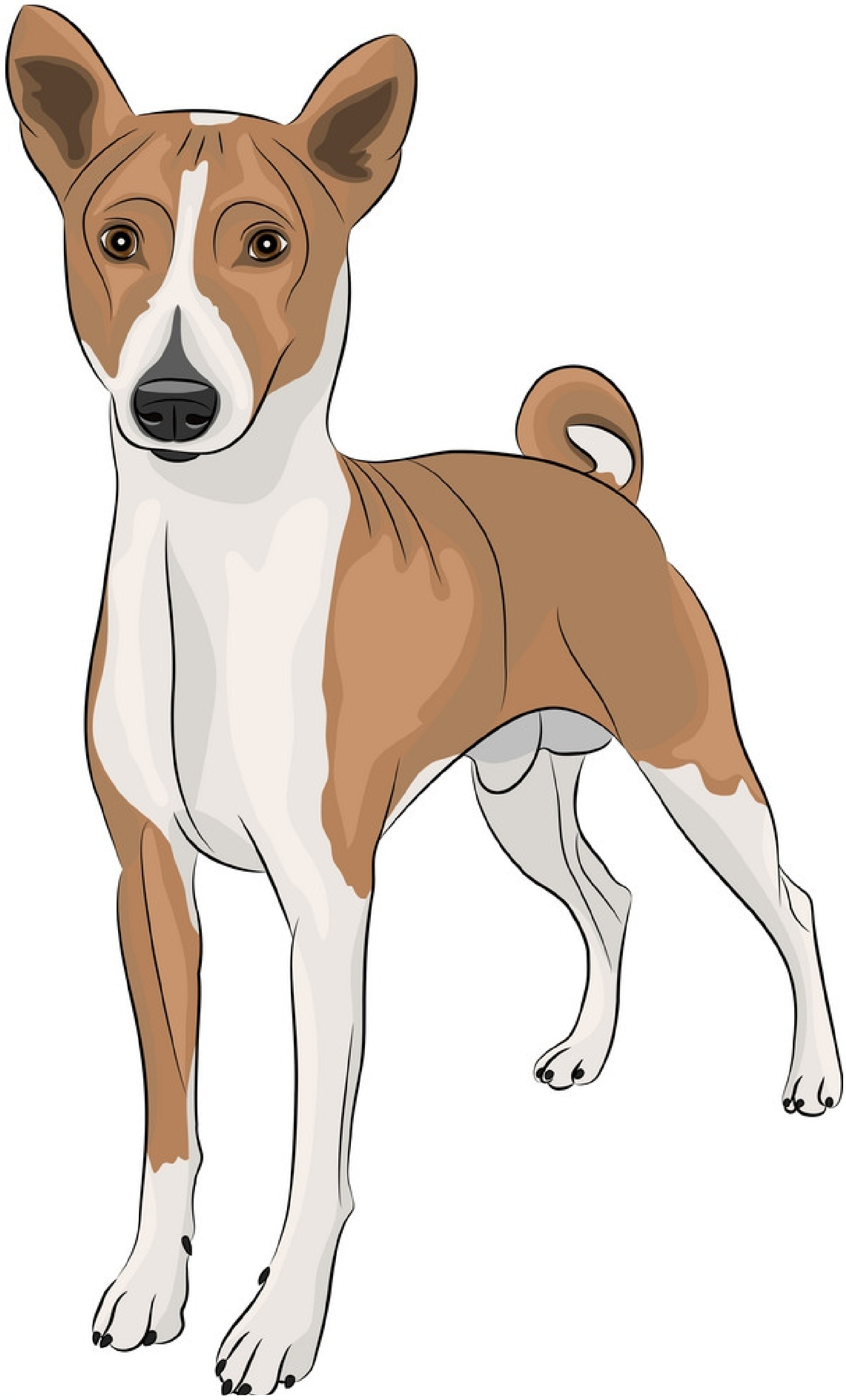

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर कुत्ते के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

मिलान करो–

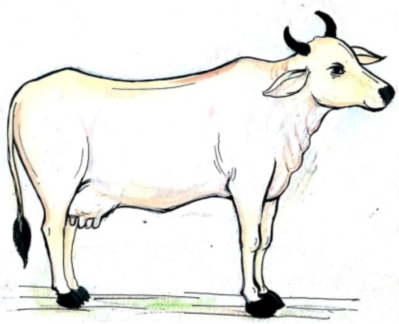

गाय

बिल्ली

बिल्ली

कुत्ता

कुत्ता

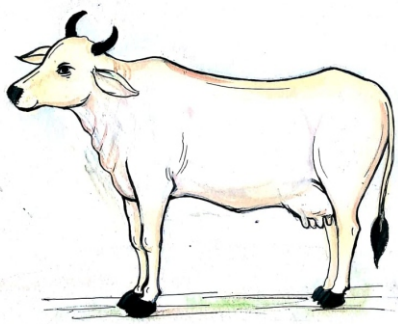

गाय

शिक्षण संकेत — चित्र दिखाकर बच्चों से मिलान कराएँ।

पाठ — 11

बाग

शिक्षण संकेत

चित्र के आधार पर चर्चा करें।

आओ पहचानें–4

तोता

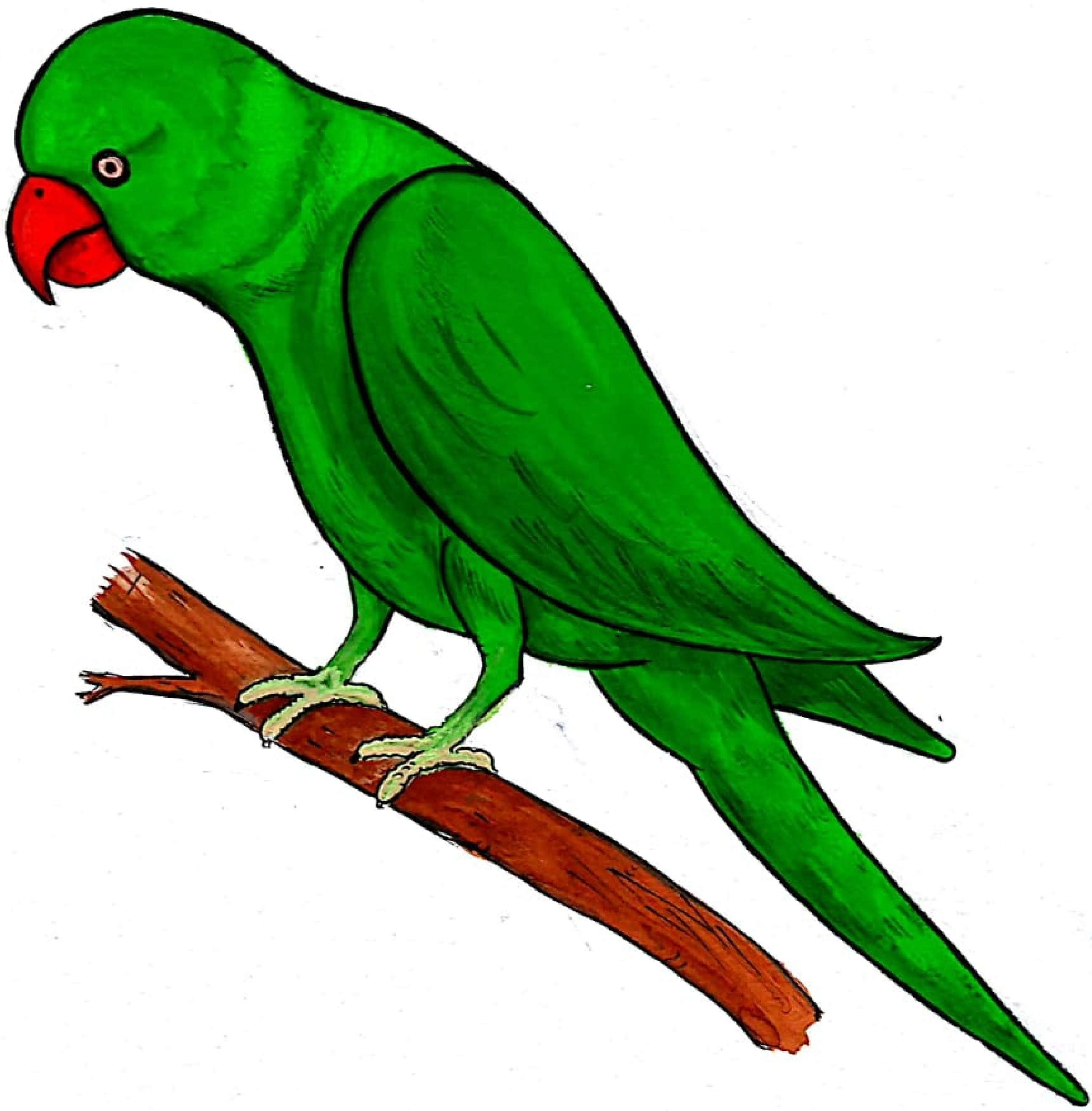

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर तोते की पहचान कराएँ तथा बच्चों से चर्चा करें।

कौआ

शिक्षण संकेत

चित्र की सहायता से कौए की पहचान कराते हुए बच्चों से चर्चा करें।

कबूतर

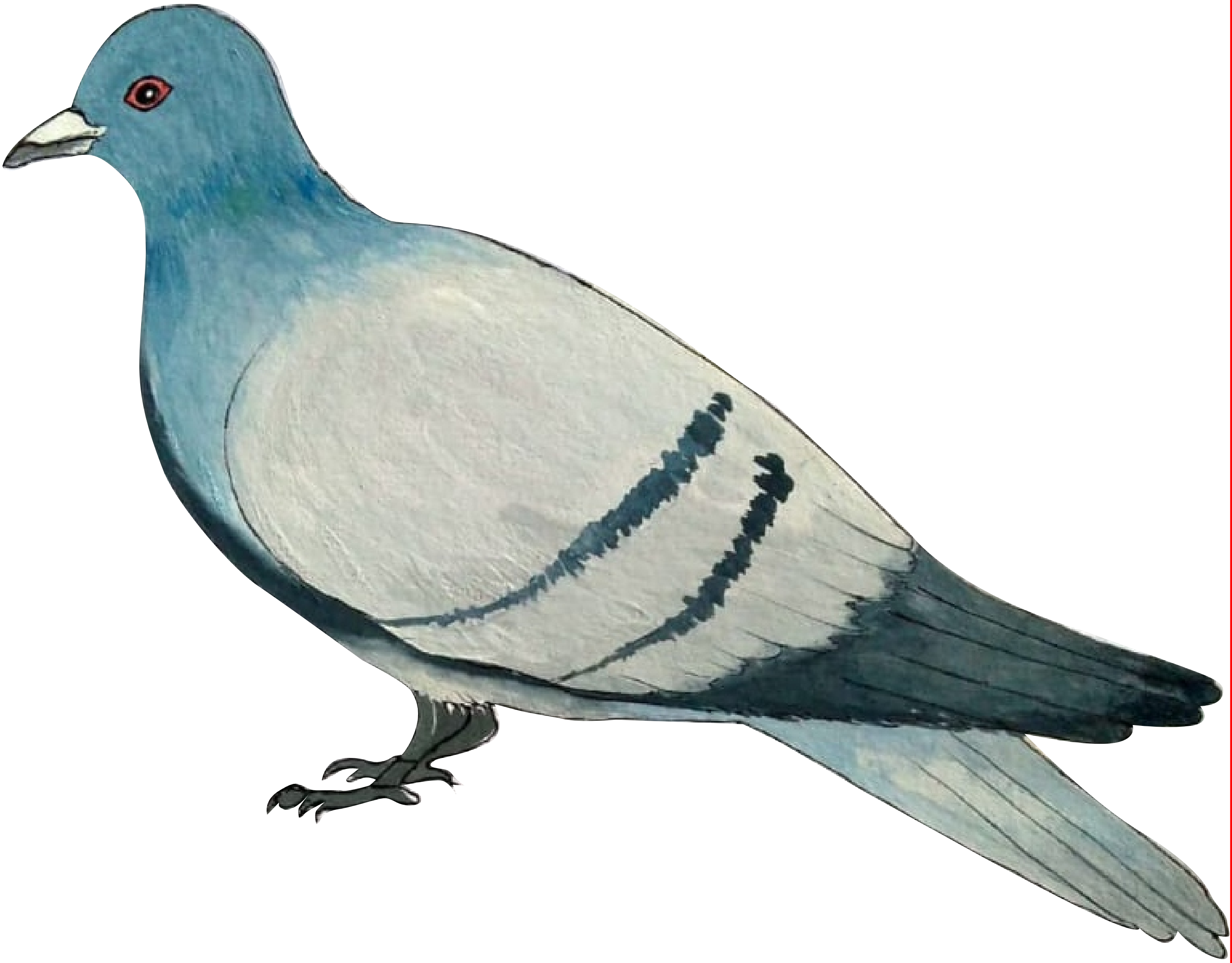

शिक्षण संकेत

चित्र की सहायता से कबूतर की पहचान कराते हुए बच्चों से चर्चा करें।

मिलान करो–

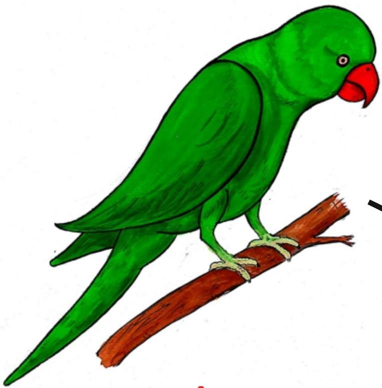

तोता

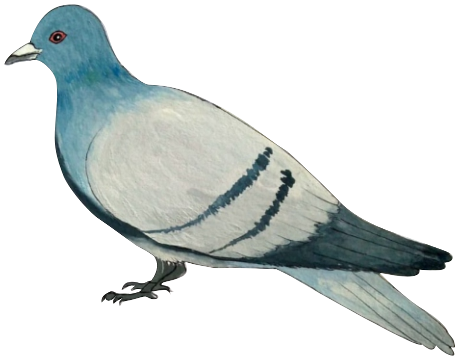

कबूतर

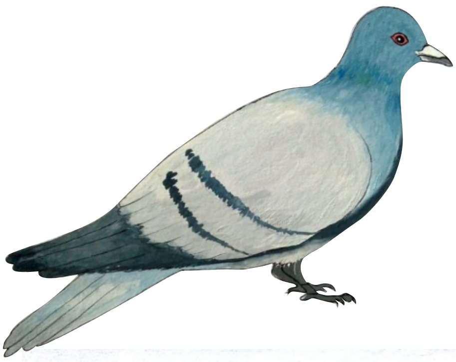

कबूतर

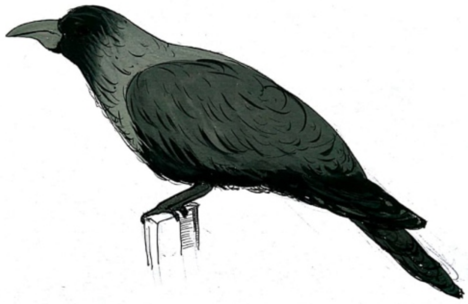

कौआ

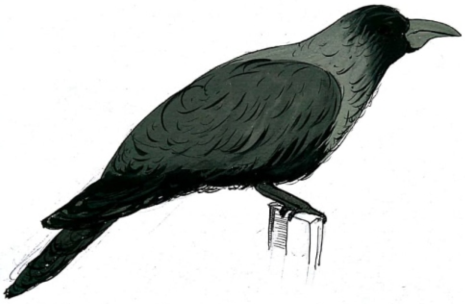

कौआ

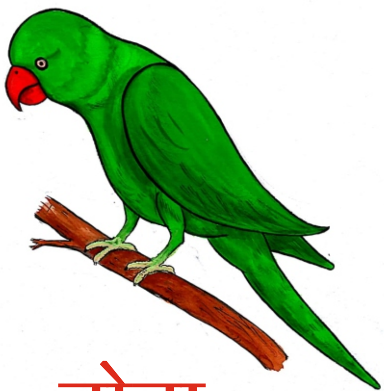

तोता

शिक्षण संकेत तिरछी रेखाओं पर पहले अँगुली, फिर पेंसिल की सहायता से रेखा खींचने का अभ्यास कराएँ।

पाठ — 13

I;klk dkSvk

एक कौआ बहुत प्यासा था।

उसे एक घड़ा दिखा, जिसमें पानी कम था।

कौआ घड़े में कंकड़ डालने लगा ।

पानी ऊपर आ गया।
कौआ पानी पीकर उड़ गया।

शिक्षण संकेत

1–चित्र दिखाते हुए बच्चों से बातचीत करें।
2–बच्चों को चित्र दिखाकर कम से कम वाक्यों में कहानी सुनाएँ।

पाठ – 14

देखो और बोलो

घर

कप

नल

बस

शिक्षण संकेत

चित्र के आधार पर शब्दों का उच्चारण अभ्यास एवं पहचान कराएँ।

देखो और बोलो

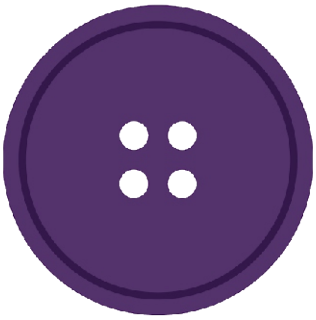

बटन

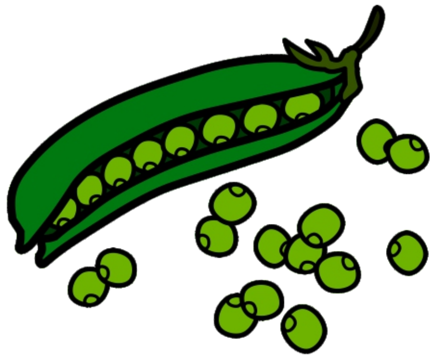

मटर

कलम

सड़क

शिक्षण संकेत

चित्र के आधार पर शब्दों को उच्चारण अभ्यास एवं पहचान कराएँ।

देखो और बोलो

छाता

आम

ताला

माला

शिक्षण संकेत

चित्र के आधार पर शब्दों का उच्चारण अभ्यास एवं पहचान कराएँ।

देखो और बोलो

गिलास

किसान

डलिया

तकिया

शिक्षण संकेत

चित्र के आधार पर शब्दों का उच्चारण अभ्यास एवं पहचान कराएँ।

देखो और बोलो

सीटी

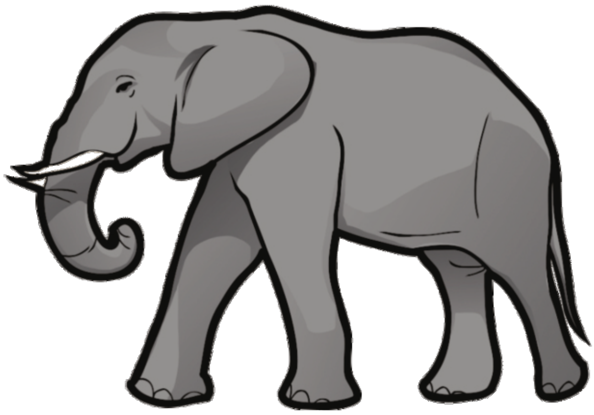

हाथी

खीरा

चाभी

शिक्षण संकेत

चित्र के आधार पर शब्दों का उच्चारण अभ्यास एवं पहचान कराएँ।

स्वर गीत

अ

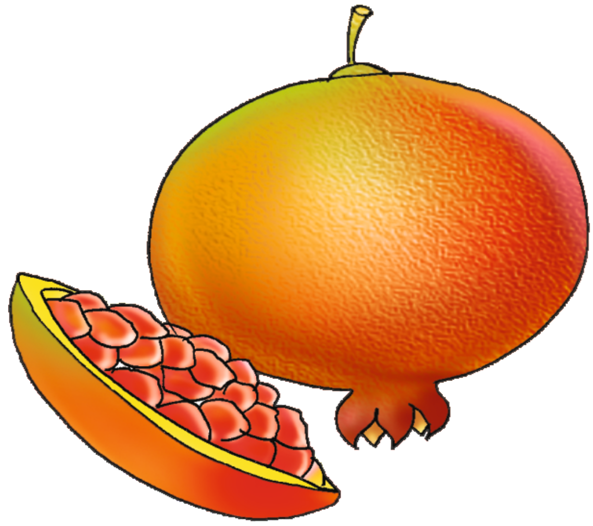

अ से अनार बड़ा रसीला

आ

आ से आम हरा या पीला

शिक्षण संकेत

दिए गए वर्ण में अँगुली फिरवाते हुए बच्चों को वर्ण की पहचान कराएँ।

इ

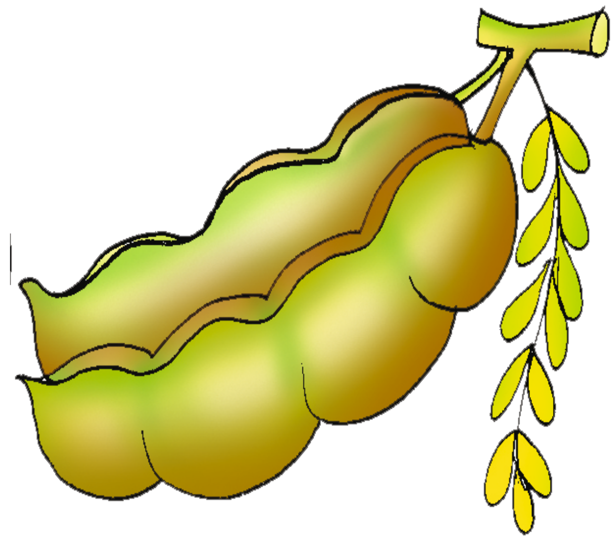

इ से इमली बड़ी ही खट्टी

ई

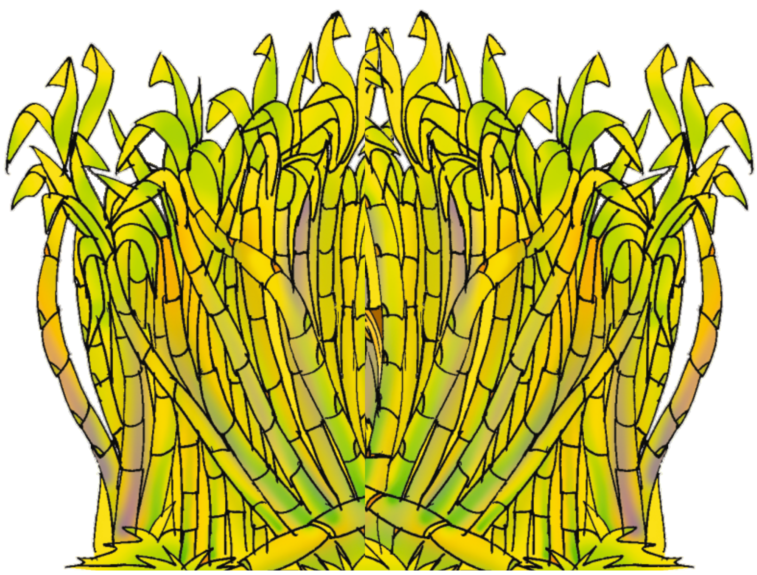

ई ईख से बनती चीनी मीठी

उ

उ से उल्लू की आँखे गोल।

ऊ

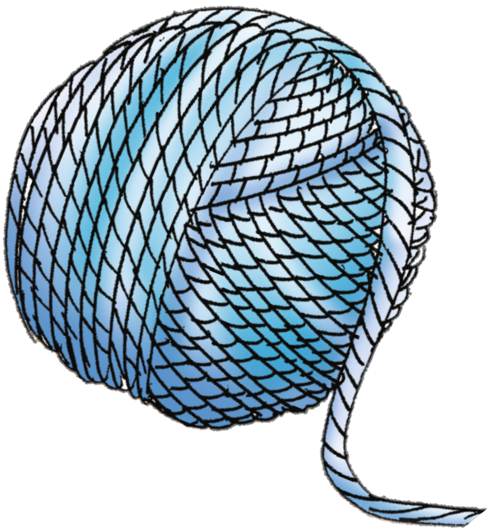

ऊ से ऊन का गोला गोल।

ऋ

ऋ से ऋषि ध्यान लगाता।

ए

1

ए से एक है पहले आता।

ऐ

ऐ से ऐनक रमन लगाता।

ओ

ओ ओखल में कुटो धान।

औ

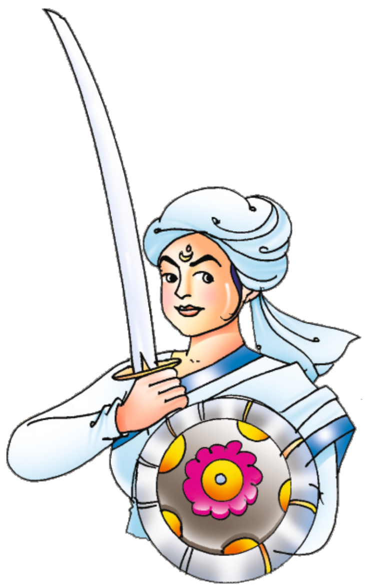

औ से औरत बड़ी महान्।

अं

अं से अंगूर खूब खाओ।

अः

अः अः विद्यालय जाओ।

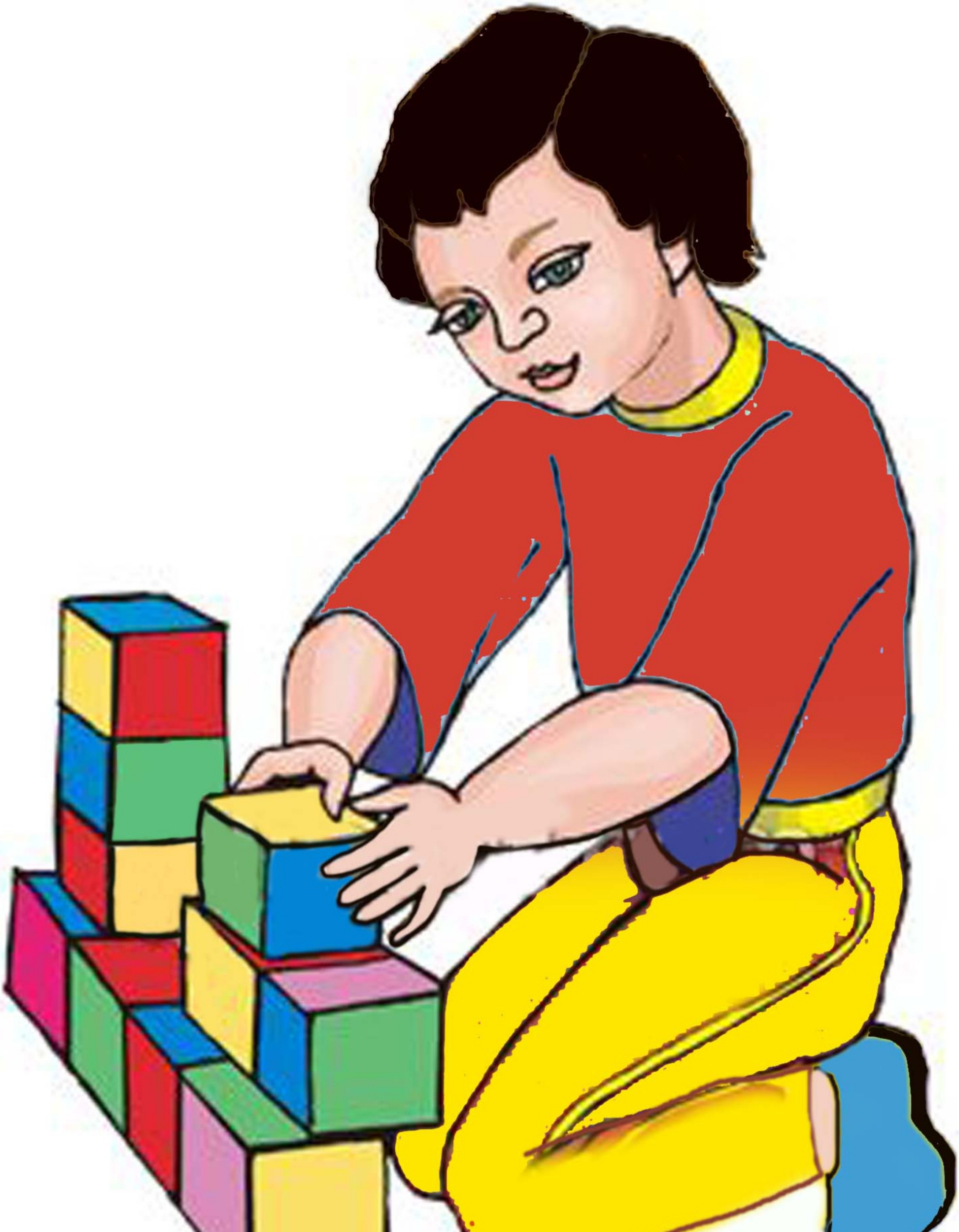

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक, जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा–
द्राविड़–उत्कल बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!

सत्र 2020-2021

आवरण पृष्ठ की विशिष्टियाँ–

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टिकरण : प्रयुक्त कागज वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9,वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियों बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार है, एवं कागज 53.34 सेमी0X78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0 प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद्

उत्तर प्रदेश शासन

निःशुल्क वितरण हेतु